आर.एन.आई. नंबर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 78 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, शनिवार, 22 मार्च, 2025

बजट सत्र के आठवें दिन राज्यसभा में शाह बोले-

आतंकवाद, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर में उग्रवाद नासूर

ये हमें विरासत में मिले, हमने मुकाबला किया, 10 साल में बहुत कुछ बदला

एजेंसी ● नई दिल्ली

बजट सत्र

बजट सत्र के आठवें दिन शुक्रवार को अमित शाह ने गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा का जवाब दिया। शाह ने कहा- चर्चा के दौरान कुछ उपयोगी सुझाव आए हैं। हमारी कमियों की ओर ध्यान दिलाया गया। कुछ राजनीतिक टिप्पणियां भी की गईं। कुछ राजनीतिक आक्षेप भी लगाए गए। सभी का संसदीय भाषा में जवाब देने का प्रयास करूंगा।

शाह ने कहा- पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में बहुत कुछ बदला। आतंकवाद, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर में उग्रवाद नासूर बने थे। हमें पिछली सरकार ने इसे विरासत में दिया था। 2014 में हमारी सरकार बनी तो हमने तीनों मोर्चों पर मुकाबला किया। जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं से हुई मौतों में 70% कमी आई है।

गृह मंत्री ने कहा- जम्मू-कश्मीर में विपक्ष के 33 साल के शासनकाल में वहां सिनेमाहॉल ही नहीं खुलते थे। हमने 2019 में आर्टिकल 370 हटाया। जी-20 की बैठक में दुनियाभर के राजनयिक वहां गए। हमने वहां सफलतापूर्वक चुनाव करवाए। एक गोली तक नहीं चली।

काला चश्मा पहन कर विकास नहीं दिखेगा शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा- ये हिसाब मांगते हैं कि क्या हुआ 370 हटाने का परिणाम। साहब, हिसाब तो उनको दिया जाता है, नजारा तो उनको दिखाया जाता है, जिनकी नजरें साफ हों। जो काला चश्मा पहन कर, आंखें मूंद कर बैठे हैं, उनको विकास नहीं दिखा सकते हैं।

हम आतंकियों के आंखों के बीच गोली मारते हैं इनके नेता ने पैदल यात्रा निकाली। कश्मीर तक गए। अपने कार्यकर्ताओं के साथ बर्फ की होली खेली और कहा कि दूर से आतंकवादी दिखाई पड़ा था। अरे भाई, जिनकी नजर में आतंकवादी है, तो आपको सपने में भी आएगा और आपको कश्मीर में भी दिखाई पड़ेगा। हम तो आतंकवादी देखते ही सीधा दो आंखों के बीच में गोली मारते हैं। हमारी सरकार न आतंकवाद को सह सकती है और न ही आतंकवादियों को।

जम्मू-कश्मीर पर यह कहा

शाह ने कहा, 'पहले जम्मू कश्मीर में आतंकी आते थे और कोई त्योहार नहीं होता था, जब हमले नहीं होते थे। मोदीजी के आने के बाद भी हमले हुए। उरी और पुलवामा में हमला हुआ। 10 दिन में पाकिस्तान में घर में घुसकर एयर स्ट्राइक कर जवाब दिया गया। इस तरह की कार्रवाई करने वाले दुनिया में इजराइल और अमेरिका की सूची में महान भारत का नाम जुड़ गया। कन्याकुमारी से कश्मीर तक मुरली मनोहर जोशी के नेतृत्व में यात्रा निकली थी। हमें लाल चौक जाने की परमिशन नहीं मिल रही थी। हमने जिद की तो सेना की सुरक्षा में जाना पड़ा और आनन-फानन में तिरंगा फहराकर आना पड़ा। उसी लाल चौक पर कोई घर ऐसा नहीं था जिस पर हर घर तिरंगा अभियान में तिरंगा न हो। हमने कई ऐसे कदम उठाए जिसकी वजह से आतंकियों से भारतीय बच्चों के जुड़ने की संख्या करीब-करीब शून्य हो गई है। आतंकी जब मारे जाते थे, बड़ा जुलूस निकलता था। आज भी आतंकी मारे जाते हैं और जहां मारे जाते हैं, वहीं दफना दिए जाते हैं। घर का कोई आतंकी बन जाता था और परिवार के लोग आराम से सरकारी नौकरी करते थे। हमने उनको निकालने का काम किया। आतंकियों के परिवार के लोग बार काउंसिल में बैठे थे और प्रदर्शन होने लगता था। आज वो श्रीनगर या दिल्ली की जेल में हैं।

वामपंथी उग्रवाद पर

वामपंथी उग्रवाद को किसी ने राजनीतिक समस्या बताया। इस सोच पर तरस आता है। कोई पांच-25 साल में विकास नहीं पहुंचा सकता। कोई छूट गया होगा, इसका मतलब ये नहीं कि हम देश की व्यवस्था को ही न मानें। हिम्मत देखिए, पशुपति नाथ से तिरुपति तक कई थानों पर कब्जा कर लिया और समानांतर व्यवस्था चलाई, करेंसी चलाई। 31 मार्च 2026 को देश से वामपंथी आतंकवाद समाप्त हो जाएगा। संवाद सुरक्षा और समन्वय के सिद्धांत को आधार बनाकर हम वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। 2004 से 2014 और 2014 से 2024 के बीच उग्रवादी घटनाओं पर कहा, 'कोई ये समझे कि कांग्रेस का नाम क्यों ले रहा हूं। उससे तुलना क्यों कर रहा हूं। मैं तो यह कह रहा हूं कि 10 साल बाद कोई बीजेपी का गृह मंत्री आएगा तो वो हमारा और हमारा ही आंकड़ा देगा, आपका नहीं। हमसे पहले आपका शासन था, इसलिए आपके आंकड़े दे रहा हूं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या पहले 126 थी। अब 12 बचे हैं। 31 मार्च 2026 को हम शून्य लेकर आएंगे। ये मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं।

न्यूज ब्रीफ

आप ने सौरभ भारद्वाज को दिल्ली का प्रदेश अध्यक्ष बनाया

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद आम आदमी पार्टी (AAP) ने पार्टी में बड़े बदलाव किए। पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज को दिल्ली का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। शुक्रवार को AAP के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के घर पर पार्टी के राजनीतिक मामलों की कमेटी PAC की बैठक हुई, जिसमें ये फैसला लिया गया। सौरभ भारद्वाज पूर्व मंत्री गोपाल राय की जगह लेंगे। बैठक में दिल्ली समेत दो राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और 4 राज्यों के नए प्रभारी नियुक्त किए। महराज मलिक जम्मू-कश्मीर के नए प्रदेश अध्यक्ष होंगे। पार्टी ने गोपाल राय को गुजरात का प्रभारी नियुक्त किया है। दुर्गेश पाठक को सह प्रभारी होंगे। मनीष सिसोदिया पंजाब के प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। सत्येंद्र जैन को सह प्रभारी बनाया गया है। छत्तीसगढ़ का प्रभारी संदीप पाठक को बनाया गया है। पंकज गुप्ता गोवा के प्रभारी होंगे। सौरभ भारद्वाज ने साल 2013 में AAP ज्वाइन की थी। वे ग्रेटर कैलाश विधानसभा सीट से तीन बार के विधायक रह चुके हैं। उन्होंने AAP सरकार में स्वास्थ्य मंत्रालय समेत 7 से ज्यादा मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली है।

शिवाजी महाराज का म्यूजियम बनाएगी महाराष्ट्र सरकार

मुंबई/आगरा। महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को एक गवर्नमेंट रेजोल्यूशन (GR) जारी किया। अब महाराष्ट्र सरकार उत्तर प्रदेश के आगरा की उस जगह (कोठी मीना बाजार) को खरीदेगी, जहां छत्रपति शिवाजी महाराज मुगलों को औरंगजेब ने नजरबंद किया था। यहां म्यूजियम बनाने की तैयारी है। दरअसल, 19 फरवरी को महाराष्ट्र में एक सभा को संबोधित करते हुए CM देवेंद्र फडणवीस ने कहा था- आगरा में जहां छत्रपति शिवाजी महाराज को कैद रखा था, वहां पर स्मारक बनाएंगे। महाराष्ट्र सरकार इस जमीन का अधिग्रहण करेगी। मैं खुद योगी आदित्यनाथ से बात करूंगा।इसके बाद 12 मार्च को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि प्रमुख सचिव (पर्यटन) मुकेश मेश्राम आगरा की मीना कोठी बाजार के डॉक्यूमेंट जल्द तैयार कर लें। वर्तमान स्टेटस रिपोर्ट मुझे भेज दें। मुगलों ने छत्रपति शिवाजी महाराज को कैद किया, लेकिन वे अपनी बुद्धिमत्ता और चतुरता से कैद से निकलकर वापस महाराष्ट्र लौटे थे। महाराष्ट्र के लोग जब उस जगह (कोठी मीना बाजार) जाते हैं तो उन्हें कोई भी स्मारक या प्रतीक नजर नहीं आता।

हाईकोर्ट जज के घर पर आग-कैश केस में नया मोड़

फायर डिपार्टमेंट ने कैश मिलने की बात नकारी

सुप्रीम कोर्ट बोला- अफवाहें फैलाई गईं

एजेंसी ● नई दिल्ली

बयान

दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर आग और कैश मिलने के मामले में शुक्रवार शाम नया मोड़ आ गया। दिल्ली फायर ब्रिगेड चीफ अतुल गर्ग का कहना है कि जस्टिस यशवंत वर्मा के घर आग बुझाने के दौरान फायर ब्रिगेड की टीम को कोई नकदी नहीं मिली।

गर्ग के मुताबिक 14 मार्च की रात 11.35 बजे लुटियंस दिल्ली में बने जज के बंगले पर आग लगने की खबर मिली। टीम जब वहां पहुंची तो आग स्टोर रूम में लगी थी, जिसे बुझाने में 15 मिनट लगे। इसके तुरंत बाद हमने पुलिस को खबर दी। टीम को वहां कोई नकदी नहीं मिली थी।

इससे ठीक पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले पर बयान जारी किया। जिसमें कहा गया कि कैश मिलने की गलत सूचनाएं और अफवाहें फैलाई जा रही हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आज CJI संजीव खन्ना को प्राइमरी रिपोर्ट सौंपेंगे। इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी।

पूरे घटनाक्रम के दौरान सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस वर्मा का वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अपने बयान में साफ किया कि जज के बंगले से कैश मिलने की खबर और उनके तबादले का आपस में कोई संबंध नहीं है।

इस मामले में आगे क्या होगा...

हाईकोर्ट जज के घर से कैश मिलने की खबरें सामने आने के बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने प्राइमरी जांच शुरु कर दी थी। इसके बाद 20 मार्च की शाम सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने भी मीटिंग की। दिल्ली हाईकोर्ट चीफ जस्टिस डी के उपाध्याय ने सबूत और सूचना जुटाने के लिए आंतरिक जांच प्रक्रिया शुरु की थी। इसकी रिपोर्ट CJI संजीव खन्ना को सौंपी जाएगी।

कॉलेजियम इस रिपोर्ट की जांच करेगा, उसके बाद आगे कोई एक्शन लिया जाएगा। हालांकि, जस्टिस वर्मा के इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर करने का प्रस्ताव अलग से रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक ट्रांसफर प्रपोजल की जांच 20 मार्च को कॉलेजियम ने की थी।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के सलाहकार जजों, जस्टिस वर्मा के अलावा संबंधित हाईकोर्ट्स के चीफ जस्टिस को लेटर भेजे गए थे। कोर्ट ने कहा- इन लोगों से मिली प्रतिक्रियाओं की जांच की जाएगी और उसके बाद कॉलेजियम एक प्रस्ताव पारित करेगा।

राज्यसभा में भी उठा था मामला

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने इस मुद्दे को सदन में उठाते हुए ज्यूडिशियल अकाउंटेबिलिटी पर चर्चा की मांग की। राज्यसभा के चेयरमैन और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस पर जवाब देते हुए कहा कि सिस्टम में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है और वह इस मुद्दे पर एक स्ट्रक्चर्ड डिस्कशन करवाएंगे।

न्यायपालिका के अंदर भ्रष्टाचार का मुद्दा बहुत गंभीर

सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने कहा- मुझे मामले की बारीकियों की जानकारी नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से न्यायपालिका के अंदर भ्रष्टाचार का मुद्दा बहुत गंभीर मुद्दा है। उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि अब वक्त आ गया है कि सुप्रीम कोर्ट इस पर विचार करे कि नियुक्ति प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी होना चाहिए।

दरअसल, यह पूरा मामला तब सामने आया जब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि जस्टिस वर्मा के सरकारी बंगले पर आग लगी थी। आग बुझाने गई फायर ब्रिगेड की टीम को कैश मिला था।

इधर, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन अब जस्टिस वर्मा के वापस इलाहाबाद ट्रांसफर का विरोध कर रहा है। एसोसिएशन का कहना है कि कॉलेजियम के फैसले से ये सवाल उठ रहा है कि क्या हम कूड़ादान हैं।

हरियाणा-पंजाब का खनौरी बॉर्डर भी खुला

पटियाला। किसान आंदोलन की वजह से 13 महीने से बंद हरियाणा-पंजाब का खनौरी बॉर्डर भी शुक्रवार से खुल गया। यहां से दिल्ली-पटियाला हाईवे पर आवाजाही शुरू हो गई। हरियाणा पुलिस ने 20 मार्च को ही यहां से सीमेंट की बैरिकेडिंग हटा दी थी। पंजाब की तरफ से ट्रालियां हटाने में समय लग गया।पंजाब पुलिस ने अंबाला और पटियाला के बीच शंभू बॉर्डर को 20 मार्च को ट्रैफिक के लिए खोल दिया था। इसके बाद दिल्ली-अमृतसर-जम्मू हाईवे पर आवाजाही शुरू हो गई है। वहीं, पंजाब के 2 किसान संगठन संयुक्त किसान मोर्चा (SKM) के पंजाब चैप्टर और भारतीय किसान यूनियन (BKU) (उगराहां) ने राज्य सरकार की बुलाई मीटिंग का बायकॉट कर दिया।

मुस्कान-साहिल को पुलिस शिमला लेकर जाएगी

मेरठ। यूपी के मेरठ में मर्चेंट नेवी अफसर सौरभ हत्याकांड में अब नए-नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि वारदात के बाद जो मां आरोपी मुस्कान को थाने लेकर गई थी और उसे फांसी देने की मांग कर रही थी, वह मुस्कान की सौतेली मां है। उसके पिता ने मुस्कान की मां की मौत के बाद उसकी मौसी कविता रस्तोगी से शादी की है।आरोपी साहिल की मां की मौत करीब 16 साल पहले हो चुकी है। उसके पिता नीरज ने भी दूसरी शादी कर ली है। सौतेली मां से साहिल की नहीं बनती थी। इसलिए वह नानी के साथ रहता था। उसकी सौतेली मां नोएडा में रहती है। सौरभ के 4 टुकड़े करने के बाद मुस्कान और साहिल ने 15 दिन के लिए मेरठ से टैक्सी बुक की।

कर्नाटक विस में मुस्लिम आरक्षण पर हंगामा

18 बीजेपी के विधायक 6 महीने के लिए सस्पेंड

एजेंसी ● बेंगलुरु

कर्नाटक विधानसभा में शुक्रवार को सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को 4% आरक्षण देने के मामले में भाजपा विधायकों ने जमकर हंगामा किया। आर अशोक के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने आरक्षण बिल की कॉपी फाड़कर स्पीकर की ओर फेंक दी।

हंगामा

इसके बाद स्पीकर यूटी खादर ने मार्शलों को बुलाकर हंगामा कर रहे विधायकों को सदन से बाहर करवा दिया। साथ ही भाजपा के 18 विधायकों को विधानसभा की कार्यवाही से 6 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया।हंगामे के बीच सरकार ने मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों की सैलरी 100% बढ़ाने का बिल पास कर दिया।

विधेयक को कर्नाटक के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच.के. पाटिल ने पेश किया। इसके पारित होने से मुख्यमंत्री का वेतन 75 हजार रुपए से बढ़कर 1.5 लाख रुपए प्रतिमाह हो जाएगा। विधान परिषद के सभापति और विधानसभा अध्यक्ष का वेतन 75 हजार रुपए से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपए हो जाएगा।

20 मार्च को सरकार ने कर्नाटक विधानमंडल वेतन, पेंशन और भत्ते (संशोधन) विधेयक, 2025 और कर्नाटक मंत्रियों के वेतन और भत्ते (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दी। इन विधेयकों के तहत मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों (MLAs) की सैलरी में 100% बढ़ाई गई है।

विधायकों के अलावा कर्नाटक मंत्री वेतन और भत्ता अधिनियम, 1956 में भी संशोधन किया गया है। इसके जरिए मंत्री का वेतन 60 हजार रुपए से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपए किया जाएगा। वहीं, सप्लीमेंट्री अलाउंस 4.5 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए हो सकता है। अभी मंत्रियों को HRA के रूप में मिलने वाले 1.2 लाख रुपए बढ़कर 2 लाख रुपए हो सकते हैं।

साथ ही विधायकों की मंथली सैलरी 40 हजार से बढ़कर 80 हजार हो जाएगी। मुख्यमंत्री की सैलरी 75 हजार से बढ़कर 1.5 लाख प्रति माह होगी। अन्य भत्ते जैसे हाउस रेंट अलाउंस (HRA) और संपत्ति भत्ते में भी बढ़ोतरी होनी है। यह फैसला विधानसभा में 21 मार्च को पारित हो गया, जिससे राज्य के खजाने पर सालाना लगभग 10 करोड़ का बोझ पड़ेगा।

RSS के मंच पर मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि: संघ ने मणिपुर के हालात पर चिंता जताई, कहा-

तमिलनाडु से भाषा विवाद मिलकर सुलझाएं : सीआर मुकुंद

एजेंसी ● बेंगलुरु

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की 3 दिन की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा शुक्रवार को बेंगलुरु में शुरू हुई। बैठक के शुरुआत में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, तबला वादक जाकिर हुसैन, प्रीतीश नंदी समेत संघ के दिवंगत कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी गई।

संघ के सह सरकार्यवाह सीआर मुकुंद ने मणिपुर की स्थिति को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मणिपुर बीते 20 महीनों से बुरे दौर से गुजर रहा है, लेकिन केंद्र सरकार के कुछ राजनीतिक और प्रशासनिक फैसलों के बाद अब उम्मीद की किरण नजर आ रही है। हालांकि, राज्य में हालात सामान्य होने में अभी लंबा समय लगेगा।

उन्होंने तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच चल रहे भाषा और परिसीमन विवाद पर कहा- कुछ ताकतें हैं, जो देश की एकता को चुनौती दे रही हैं। वह उत्तर और दक्षिण के बीच बहस को बढ़ावा दे रही हैं। चाहे वह परिसीमन की डिबेट हो या भाषा की डिबेट। उन्होंने कहा कि ये ज्यादातर राजनीति से प्रेरित हैं।

उन्होंने कहा कि सभी सोशल ग्रुप को साथ आना होगा। यह सही नहीं है कि हम आपस में लड़ें। अगर कोई दिक्कत है तो उसे मिलकर, सद्भावना से हल किया जा सकता है। हमारे स्वयंसेवक और अलग अलग विचार परिवार के लोग सद्भावना की पूरी कोशिश कर रहे हैं, खासकर दक्षिण भारत के राज्यों में।

मातृभाषा को प्राथमिकता, इंग्लिश को बताया जरूरी सीआर मुकुंद ने कहा कि संघ का हमेशा जोर यही रहा है कि मातृभाषा में ही पढ़ाई हो। सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि जहां भी संभव हो मातृभाषा का ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दो भाषा या तीन भाषा फॉर्मूला को लेकर संघ का कोई रिजॉल्यूशन नहीं है, लेकिन मातृभाषा को लेकर संघ का रिजॉल्यूशन है।

हमारा मानना है कि समाज में भी हमें कई भाषाएं सीखनी चाहिए। एक मातृभाषा और दूसरी मार्केट लैंग्वेज सीखनी चाहिए। तमिलनाडु में हैं तो तमिल, दिल्ली में हैं तो हिंदी सीखने की जरूरत होगी। इसी तरह करियर लैंग्वेज जैसे इंग्लिश या दूसरी भाषा भी जरूरी हैं। बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न पर प्रस्ताव आएगा अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा 2025 की शुरुआत सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत माता की तस्वीर पर फूल चढ़ाकर की। इस बार संघ की प्रतिनिधि सभा में कुल 1482 स्वयंसेवक और पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं।

राज्य स्तरीय 01 दिवसीय कार्यशाला संपन्न

सामुदायिक पोषण वाटिका महिलाओं की आत्मनिर्भरता, पोषण सुरक्षा की नई पहल

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण सुरक्षा और आजीविका सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए सामुदायिक पोषण वाटिका (CNG) पहल को व्यापक स्तर पर अपनाया जा रहा है। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भोपाल के अरेरा हिल्स स्थित विकास भवन सभागार में राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA), GIZ और प्रदान संस्था के सहयोग से आयोजित की गई, जिसमें 450 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में विभिन्न जिलों के ग्राम पंचायतों के महिला स्व-सहायता समूह (SHG) के सदस्य, ग्राम रोजगार सहायक (GRS), सरपंच, जिला एवं जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और बड़ी सख्या में अधिकारी/कर्मचारी शामिल रहे हैं। कार्यशाला का शुभारंभ प्रमुख सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, श्रीमती दीपाली रस्तोगी, मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद के आयुक्त श्री अवि प्रसाद के द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। इस दौरान समुदायिक पोषण वाटिका पर आधारित ई-लर्निंग मॉड्यूल और ज्ञान पुस्तिका का लोकार्पण किया गया, इस पहल से पोषण सुरक्षा और आजीविका सशक्तिकरण को और मजबूती मिलेगी।

पहल

इस अवसर पर आयुक्त मनरेगा श्री अवि प्रसाद ने कहा की हमें अपने सोच को बदलना होगा। हमें अपनी योजनाओं के अंतर्गत जिन महिला किसानों की आजीविका सुनिश्चित करने के लिए जो परिसंपत्तियां निर्माण की है, उन महिलाओं को सशक्त करना है, और उनके पसीने का सही मूल्य दिलाना है।

कार्यशाला के दौरान GIZ इंडिया के डिप्टी प्रोजेक्ट डॉयरेक्टर श्री तपन गोपे ने बताया कि 2019 से अब तक 1,000 से अधिक सामुदायिक पोषण वाटिकाएँ स्थापित की गई हैं, जिससे लगभग 30,000 SHG महिलाएँ लाभान्वित हुई हैं। महिला किसानों द्वारा संचालित ये पोषण वाटिकाएँ स्थानीय खाद्य सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यशाला में "स्टोरीज फ्रॉम ग्राउंड" सत्र विशेष आकर्षण रहा, जिसमें रीवा जिले के सिमरिया गाँव की स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती सुनीता कुशवाहा ने अपनी सफलता की कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि कैसे पंचायत की सहायता से सामुदायिक पोषण वाटिका योजना से जुड़कर उन्होंने अपने परिवार और गाँव में पोषण स्तर को सुधारने में योगदान दिया। मध्य प्रदेश, जो कृषि में अग्रणी होने के बावजूद कुपोषण की समस्या से जूझ रहा है, के लिए सामुदायिक पोषण वाटिका मॉडल एक समाधान के रूप में उभर रहा है। इस पहल के माध्यम से महिला किसानों के नेतृत्व में पारिस्थितिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर गाँवों में कुपोषण दूर किया जा सकता है।

प्रदान संस्था की इंट्रीग्रेटर सुश्री अर्चना ने कहा, "जब महिलाएं अपनी जमीन और श्रम का नेतृत्व करती हैं, तो वे न केवल अपनी आजीविका सुधारती हैं, बल्कि पूरे गाँव की सेहत और समृद्धि की नींव भी रखती हैं।"

अपने विशेष संबोधन में मध्य प्रदेश आजीविका मिशन की सीईओ, श्रीमती हर्षिका सिंह ने सामुदायिक पोषण वाटिका पहल को आगे बढ़ाने पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पानी की प्रभावी व्यवस्था और सामूहिक प्रयासों को एक व्यवसाय की तरह विकसित करने की आवश्यकता है, जिससे यह पहल सतत और व्यापक रूप से प्रभावी बन सके।

इस कार्यशाला में जिला पंचायत मण्डला एवं बैतूल, नरसिंहपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों ने अपने जिलों में सामुदायिक पोषण वाटिका के प्रभाव पर चर्चा की एवं जिला मंडला, बैतूल, रायसेन और सिंगरौली के जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारियों एवं स्व-सहायता की महिला किसानों द्वारा सफलता की कहानियाँ साझा कीं। सरकार और नागरिक संगठनों की भागीदारी से इस पहल को हर गाँव तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। सामुदायिक पोषण वाटिका न केवल महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ा रही है, बल्कि गाँवों में पोषण सुरक्षा को भी मजबूत कर रही है।

शॉट न्यूज

10 रुपए नहीं दिए तो भिखारी ने कर दी हत्या, गिरफ्तार

इंदौर। सांवेर के चंद्रावतीगंज में एक भिखारी ने दस रुपए नहीं देने पर एक युवक की हत्या कर दी। उसके बाद से ही वह फरार था। पुलिस ने उसे गुरुवार को पकड़ लिया। चंद्रावतीगंज में उन्हेंल निवासी प्रकाश पिता दीपाजी दायमा की लाश मिली थी। वह शराब दुकान के पास बैठा था। तभी भिखारी समीर खान आया और प्रकाश से दस रुपए देने का कहने लगा। प्रकाश ने पैसे देने से इनकार कर दिया औरभिखारी को बुरा- भला कहने लगा। इस बात पर आरोपी को भी गुस्सा आ गया। उसने जेब से चाकू निकाला और प्रकाश के सीने और पेट पर दो-तीन वार कर दिए। इसके बाद वह भाग गया। प्रकाश को सांवेर के अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस को हत्या करने वाले का पता नहीं चल पा रहा था, लेकिन जांच में पता चला कि दुकान के पास भीख मांगने वाला युवक गायब है।

अक्षय बम को पुलिस सुरक्षा देने पर कांग्रेस ने जताई आपत्ति

इंदौर। भाजपा नेता अक्षय बम जिसे कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के समय अपना लोकसभा प्रत्याशी बनाया था, मगर ऐन वक्त पर उन्होंने कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ले ली। उसी समय से ही पुलिस द्वारा उसे सुरक्षा प्रदान की गई है जबकि वह कोई भी संवैधानिक पद पर नहीं है और न ही किसी तरह की कोई सुरक्षा की बात उसके साथ है. लेकिन भाजपा नेताओं के संरक्षण में उसे पुलिस की सुरक्षा मिलती आ रही है। ये आरोप शहर कांग्रेस कमेटी सूचना अधिकार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गिरीश जोशी और सेवादल के जिला कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल ने लगाए। उन्होंने बताया कि सबसे आश्चर्यजनक बात तो यह है जब न्यायालय द्वारा अक्षय बम पर हत्या के प्रयास व अन्य गंभीर धाराओं में प्रकरण चलाने का आदेश दिया जा चुका है।

तलाकशुदा और एक बच्ची की मां से मोईन ने किया दुष्कर्म

इंदौर। चंदन नगर थाना पुलिस ने एक 23 वर्षीय युवती की शिकायत पर उसके परिचित युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। आरोपी ने खुद को अविवाहित बताते हुए युवती को शादी का झांसा दिया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब युवती को ठगी का एहसास हुआ तो उसने अपने परिवार के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। चंदन नगर पुलिस के अनुसार, पीड़िता की शिकायत पर मोहिनूर उर्फ मोईन (पुत्र अफसर खान), निवासी सरदारपुर, जिला धार के खिलाफ गुरुवार को मामला दर्ज किया गया। आरोपी उर्वशी ट्रेवल्स में बस ड्राइवर के रूप में काम करता है। पीड़िता की बहन अहमदाबाद में रहती है, जहां आने-जाने के दौरान उसकी मुलाकात मोईन से हुई थी।

फाग महोत्सव में भजनों पर खूब किया नृत्य

सरयूपारी महिला समिति ने फूलों से खेली होली

संवाददाता ● इंदौर

श्री हंसदास मठ पर सरयूपारी ब्राह्मण महिला समिति द्वारा फाग उत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंडित अनूप शुक्ला, सुभाष चंद्र दुबे और पार्षद मनोज मिश्रा ने सभी को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया। मंजुला दुबे, रजनी पांडे और संतोषी के नेतृत्व में राधा-कृष्ण के भजनों पर लोगों ने नृत्य किया। उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय गीत 'सांची कहे तुहरे आवन से अंगना में आई बहार' पर सभी महिलाओं ने आनंद लिया।समिति की अध्यक्ष संपदा मिश्रा, इंदु पांडे और पूनम शुक्ला की अगुवाई में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। रश्मि तिवारी, उषा मिश्रा और सरिता दुबे ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को लगभग 20 पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर पवनदास जी महाराज, शिक्षाविद् पं. विनायक पांडे, सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष योगेश मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित थे। विभिन्न महिला समितियों की सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। इनमें गीता शुक्ला, चंचल शुक्ला, आभा मिश्रा, विप्र नारी की अध्यक्ष मणिमाला शर्मा और परशुराम सेना की अध्यक्ष प्रवीणा अग्निहोत्री प्रमुख थीं। कार्यक्रम का संचालन हाईकोर्ट एडवोकेट पंडित विनोद द्विवेदी ने किया, जबकि विनीता तिवारी ने आभार माना।

संकल्प

कलश यात्रा में आज काशी के अघोरी भी शामिल होंगे

इंदौर। श्री दास हनुमान जय सियाराम बाबा धार्मिक ट्रस्ट, हम्माल कालोनी युवा संगठन एवं नवग्रह शनिधाम के तत्वावधान में रविवार से प्रारंभ हो रहे सात दिवसीय संगीतमय श्रीराम हनुमान चरित्र महोत्सव की सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। महोत्सव का शुभारंभ आज सांय 4 बजे शिक्षक नगर स्थित मालूजी के बगीचे से कथा स्थल दास बगीची तक भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। कलश यात्रा में पहली बार काशी की अघोरी टीम के सदस्य नरमुंड की माला पहनकर भगवान शिव एवं हनुमान की आराधना करते हुए चलेंगे। संयोजक धर्मेश यादव ने बताया कि महोत्सव में प्रख्यात राष्ट्रकवि पं. सत्यनारायण सत्तन 29 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 2 से सांय 5 बजे तक श्री राम हनुमान चरित्र का अपने अंदाज में विशिष्ट शैली में वर्णन करेंगे।

क्या पानीदार रहेगी हमारी दुनिया?

इंदौर। जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन के बढ़ते खतरों के बीच 'सेवा-सुरभि' संस्था द्वारा विश्व जल दिवस के अवसर पर 'क्या पानीदार रहेगी हमारी दुनिया' विषय पर एक महत्वपूर्ण परिचर्चा का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम रविवार, 23 मार्च 2 को दोपहर 3.30 बजे इंदौर प्रेस क्लब के माथुर सभागृह में होगा। सेवा सुरभि के संयोजक ओम नरेडा, कुमार सिद्धार्थ, संजय पटेल एवं ओ.पी. जोशी ने बताया कि शहरों के बढ़ते दायरे, हर दिन बढ़ती आबादी और खेती में ट्यूबवेल व नलकूपों की बढ़ती निर्भरता ने जल संकट को और गहरा कर दिया है। पानी की महत्ता को अनदेखा करने की प्रवृत्ति और बिगड़ता पर्यावरण मिलकर भविष्य के लिए गंभीर चेतावनी दे रहे हैं। सवाल उठता है कि क्या आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध रहेगा? या फिर जल संकट एक ऐसी कड़वी सच्चाई बन जाएगा।

एमजी रोड थाने पर 35 से भी ज्यादा शिकायतें

गेर में एनआरआई भी लुट गए सोने की चेन, मोबाइल सब चोरी

संवाददाता ● इंदौर

रंगपंचमी की गेर देखने के लिए दुनियाभर से एनआरआई यहां पर आए। सरकार और प्रशासन ने गेर को ख्याति दिलाने और सुरक्षा इंतजाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी लेकिन इस बार आई चोरी की शिकायतों ने सभी को हैरान कर दिया है। थाना एमजी रोड पर 35 से अधिक शिकायतें दर्ज हुई हैं जिनमें सोने की चेन और महंगे मोबाइल का चोरी होना बताया गया है। जिनके साथ ये घटना हुई है, उनमें कई एनआरआई भी शामिल हैं।

वारदात

एनआरआई दीपेश हेमनानी ने बताया कि वे और उनके भाई इंदौर में रंगपंचमी की गेर देखने के लिए हमेशा आते हैं। इस बार गेर में उनकी सोने की महंगी चेन चोरी हो गई। गेर में ही कई लोग मिले जिनकी सोने की चेन और ब्रेसलेट चोरी हुए। बहुत से लोगों के महंगे मोबाइल भी चुरा लिए गए। रने, भद्दे तरीके से रंग डालने, कमेंट करने व गलत हरकत करने, जूते-चप्पल उछालकर गेर की गरिमा बिगाड़ने वाले 8 बदमाशों को भी क्राइम ब्रांच की टीम ने दबोचा है। इनके नाम अभिषेक जाटव (21) निवासी उज्जैनी, दीपांशु चौहान (23) खंडवा नाका, प्रकाश प्रजापत (44) गणेश नगर, उमंग डाकचे (19) खजराना खेड़ी, नरेंद्र कुशवाह (46) श्रीकृष्ण पैराडाइज, मनीष तंमाड़े (32) भागीरथपुरा, ऋषि रावल (38) नंदलालपुरा, प्रशांत नाथ (26) जवाहर मार्ग हैं। इसके अलावा गेर में परिवार के साथ आए महिला-पुरुष व युवतियों से हरकत करने वाले दीपक (21) हरिनगर (हरियाणा), पवन (22) दिल्ली, अमरजीत (18) फरिदाबाद, सोनू (32) वेगपुर (फरिदाबाद) और ओमवीर को भी थाने भेजा है।

6 चोर पकड़े जा चुके

एमजी रोड थाना प्रभारी विजय सिंह सिसौदिया ने बताया कि 6 लुटेरों को पकड़ा जा चुका है। थाने में 35 से 40 शिकायतें आई हैं। हमने चोरों को पकड़ने के लिए स्पेशल टीमें बनाई हैं। गेर के हर कोने के सीसीटीवी फुटेज मौजूद हैं। हम जल्द चोरों को पकड़ लेंगे। कई चोर बाहर से आए थे और गैंग के रूप में काम कर रहे थे। हरियाणा का चोर भी पकड़ाया, साढ़े चार तोला सोने की चेन चुराई डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश त्रिपाठी ने बताया, गेर में बदमाशों पर नजर रखने के लिए स्पेशल टीम को सादी वर्दी में तैनात किया गया था। इस टीम ने चेन लुटेरे सोनू (32) पिता तेजसिंह पंवार निवासी मेघपुर जिला फरिदाबाद (हरियाणा) को पकड़ा। इसके पास से चेन कटिंग करने वाला औजार भी मिला है। इसने महू से गेर देखने आए लाला वस्त्रालय के मोहनलाल रुनवाल (65) के गले से साढ़े चार तोला वजनी सोने की चेन चुरा ली थी। आरोपी के कब्जे से चेन जब्त की गई। सोनू 17 मार्च को हरियाणा से उज्जैन आया था। बाद में उज्जैन से बुधवार सुबह इंदौर आकर गेर में शामिल हुआ।

शीतला सप्तमी पर विशेष पूजा-अर्चना

शीतला माता मंदिर में बासी भोजन का भोग

संवाददाता ● इंदौर

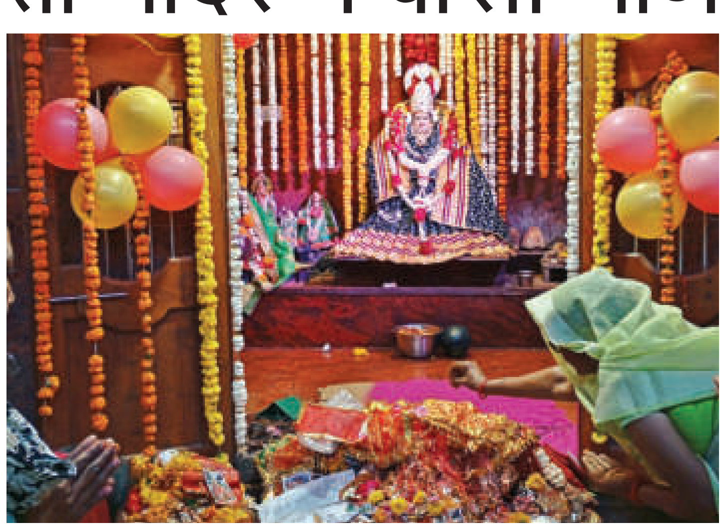

इंदौर के प्राचीन शीतला माता बाजार स्थित मंदिर में शीतला सप्तमी का विशेष पर्व मनाया गया। महिलाओं ने रात्रि 12 बजे से मंदिर में पूजन-अर्चन किया। उन्होंने ठंडा भोजन, हलवा, पूरी, भजिए और खीर सहित विभिन्न पकवान बनाकर माता को भोग लगाया। मंदिर परिसर में शीतल जल से वातावरण को ठंडा किया गया। श्रद्धालुओं ने मंदिर की दीवारों पर हाथों के छापे लगाकर विशेष पूजन किया। महू नाका चौराहे पर स्थित देवी की स्वयंभू प्रतिमा पर भी अर्धरात्रि से पूजा-अर्चना की गई। यह प्रतिमा 1959 से स्थापित है। मान्यता है कि यहां पूजा करने से पुत्र प्राप्ति की मन्नत पूरी होती है। महिलाएं होलिका के पास बैठकर माता की कथा सुनाती हैं और होली का पूजन करती हैं। शीतला माता को चेचक और अन्य त्वचा रोगों से बचाव की देवी माना जाता है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में शीतला सप्तमी का पर्व मनाया गया। महिलाओं ने व्रत रखकर मंदिरों और घरों में पूजा की। इस दिन परिवार के सभी सदस्यों ने बासी भोजन ग्रहण किया।

पूजन

100 लोगों की आबादी वाले समुदाय ने प्राचीन अगियार मंदिर में एक-दूसरे को दी बधाई

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर के छावनी क्षेत्र में स्थित 100 वर्ष पुराने पारसी अगियार (अग्नि) मंदिर में 21 मार्च को पारसी नववर्ष नवरोज का जश्न मनाया गया। पारसी मोहल्ले में स्थित इस मंदिर में समुदाय के लोगों ने पूजन-पाठ किया।

नववर्ष के अवसर पर समुदाय के सदस्यों ने एक-दूसरे को गले लगाकर नवरोज मुबारका कहते हुए बधाइयां दीं। पारसी नववर्ष परंपरागत रूप से हर साल 21 मार्च को मनाया जाता है। यह दिन समुदाय के लिए विशेष महत्व रखता है। वर्तमान में इंदौर में पारसी समुदाय की कुल आबादी मात्र 100 लोगों की है। इस छोटे से समुदाय ने अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखते हुए नववर्ष का उत्सव पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया।

नौकरी से निकाले जाने पर लिया बदला

सुलगती सिगरेट फेंकी, मार्केट की 22 में से 13 दुकानें खाक

संवाददाता ● इंदौर

मैं भारत की दुकान पर काम करता था। भारत की शृंगी ऋषि मार्केट में आठ दुकानें हैं। उसने मुझे 13 मार्च को नौकरी से निकाल दिया था। मेरा सात हजार रुपये का हिसाब था। भारत ने दो हजार रुपये दिए थे। बदला लेने के लिए मैं मार्केट में आया था। शराब का नशा कर लिया था। पहले तो मैंने इधर-उधर घूमकर लोगों को देखा। रंगपंचमी के कारण गार्ड नहीं थे। सिरगेट जलाई और छल्ला बनाकर भारत की दुकान की तरफ फेंक दी। धीरे-धीरे दुकान सुलगती गई और एक-एक कर 13 दुकानें जल गईं। पुलिस के मुताबिक मार्केट की 22 में से 13 दुकानें राख हो गईं।

बदला

नौकरी से निकाले जाने पर नाराज कर्मचारी ने सेठ की दुकान में आग लगा दी। ये आग आसपास की 22 दुकानों में फैल गई, जिससे करोड़ों का नुकसान हो गया। घटना गुरुवार सुबह की है। सराफा पुलिस ने शांतिनाथपुरी (द्वारकापुरी) से 55 वर्षीय देवा को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में माना कि उसने सेठ से नाराज होकर दुकान में आग लगाई थी।

सीसीटीवी फुटेज में दिखा था

दुकानदारों ने पड़ताल शुरु की और कपड़ा बाजार से माही डिजाइन नामक दुकान के सीसीटीवी कैमरे खंगाले। फुटेज में करीब तीन बजे सोनम कलेक्शन के संचालक भारत का पूर्व कर्मचारी देवा नजर आया। उसे भारत ने सात दिन पूर्व बहस होने पर नौकरी से निकाला था। देवा कैमरे से छेड़छाड़ करता नजर आ गया। दुकानदारों ने विधायक मालिनी गौड़ से मदद मांगी। गौड़ ने बेटे एकलव्य को भेजा। सभी थाने पहुंचे और टीआई सुरेंद्रसिंह रघुवंशी को फुटेज बताए। टीआई ने टीम गठित कर रात को देवा को घर से पकड़ लिया। डीसीपी ऋषिकेश मीणा को घटना के बाद जानकारी मिली कि कपड़ा बाजार में किसी व्यक्ति आते-जाते देखा गया था। पुलिस ने उसकी पहचान के लिए जांच शुरु की। आरोपी ने चेहरे पर नकाब बांध रखा था। पुलिस ने दुकानों में काम करने वाले कर्मचारियों से पहचान कराई। उन्होंने बताया कि वीडियो में दिख रहा शख्स द्वारकापुरी में रहने वाला देवा है।

खुले सीवरेज खत्म करने पर जोर, शहर कितना भी विकास कर ले, नदी के बगैर अधूरा है सबकुछ

‘वाटर प्लस शहर’ का दर्जा दिलाने की कवायद

संवाददाता ● इंदौर

बैठक

शहर को फिर से वाटर प्लस शहर का दर्जा दिलाने के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसे लेकर 12 पैरामीटर्स पर काम किया जा रहा है। शुक्रवार को मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने इस मामले में बैठक ली। इसमें खुले सीवरेज को खत्म करने पर जोर दिया गया। बैठक में जल कार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा सहित संबंधित विभाग के अधिकारी भी शामिल थे। मेयर ने 12 मानकों पर खरा उतरने के लिए की गई तैयारियों को लेकर चर्चा की और जरूरी निर्देश दिए। इसमें सीवरेज के पानी को ट्रीटमेंट के बाद ही नदी-नालों में छोड़ने और खुले सीवरेज को खत्म करने पर जोर दिया गया। बैठक में 128 कुओं और बावड़ियों की सफाई के साथ आउट फॉल बंद करने, चैनल सफाई को लेकर निर्देश दिए गए। साथ ही कामों की गुणवत्ता का ध्यान रखने की बात भी कही। गौरतलब है कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 में इंदौर को भारत का पहला ‘वाटर प्लस शहर’ घोषित किया गया था।

वाटर प्लस शहर बनाने ऐसी हैं तैयारियां

- खुले सीवरेज को खत्म करने और पानी को ट्रीटमेंट के बाद ही नदी-नालों में छोड़ने की योजना बनाई गई है।
- सीवरेज के पानी के ट्रीटमेंट के लिए STP बनाए गए हैं।
- पानी की गुणवत्ता जांच के लिए सुविधाएं स्थापित की गई हैं।
- बारिश में जल संचयन और पुनः उपयोग के लिए भी प्रयास किए गए हैं।
- लोगों को पानी के महत्व और जल संरक्षण के बारे में जागरूक करने के लिए गतिविधियां आयोजित की गई हैं।
- जल आपूर्ति नेटवर्क और पानी की गुणवत्ता की निगरानी के लिए व्यवस्था बनाई गई है।
- शहर की नदियों, नालों की सफाई और संरक्षण के लिए भी कदम उठाए गए हैं।
- नगरीय निकाय के कर्मचारियों को जल प्रबंधन और जल संरक्षण के बारे में ट्रेनिंग दी गई है।
- जलापूर्ति की मीटरिंग व्यवस्था को भी बेहतर बनाया गया है।
- जल आपूर्ति से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए एक हेल्प लाइन स्थापित की गई है।
- लीकेज और अवैध नल कनेक्शनों से पानी की चोरी पर रोक लगाने के प्रयास किए गए हैं।

संकल्प का जल कान्ह सरस्वती नदी में अर्पित कर किया जल चिन्तन

अभ्यास मंडल मध्य भारत का ऐसा सामाजिक संगठन है जिसने दशकों पहले जल के महत्व और भविष्य में शहर की जल मांग की फिक्र उस समय कर के तमाम कठनाई, चुनौती का सामना कर संघर्ष कर के नर्मदा का जल इंदौर लाने में कामयाबी हासिल की। उन कार्यकर्ताओं से बड़ा जल संरक्षक कौन हो सकता है। विश्व जल दिवस की पूर्व संध्या पर कान्ह सरस्वती नदी का कृष्णपुरा छत्री घाट साक्षी बना अपने आप मे एक अभिनव प्रयास का। नदी के पुनर्जीवन एवं आने वाले जल संकट के लिए तकनीकी या कोई औपचारिक बाते नही हुईं बल्कि भावनाएं ,संवेदनाएं और संकल्प से ओतप्रोत यह आयोजन रहा। अभ्यास मंडल द्वारा आयोजित जल जाजम में जल संरक्षण के लिए कोई औपचारिक भाषण नही किया बल्कि शशिकांत शुक्ला, रामेश्वर गुप्ता, शिवाजी मोहिते द्वारा अभ्यास मंडल के बैनर तले वह आंदोलन जिससे नर्मदा का जल इंदौर आया इसकी गाथा सुनाई। उन्होंने कहा यह जनता का आंदोलन था जो सफल हुआ। कार्यक्रम में जल संरक्षण से जुड़ी रचनाए एवं जल के महत्व और उस पर गहराते संकट पर हरेराम वाजपाई, वैशाली खरे, ग्रीष्म त्रिवेदी, ने भी अपने विचार रखे कार्यक्रम का संचालन स्वप्निल व्यास, ने किया,आभार मालासिंह ठाकुर ने माना, कार्यक्रम में मदन राणे, बसंत सोनी, मुरली खंडेलवाल, एम पी शर्मा, कुणाल भंवर, आदित्यप्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे।

कूड़ा-करकट नहीं, अर्घ्य देने का स्थान है - उसी तारतम्य में जल दिवस की पूर्व संध्या पर शहरवासियों और जिम्मेदारों से एक मार्मिक अपील करते हुए कलश में शुद्ध जल भर के कृष्णपुरा छत्री घाट पर खड़े होकर नदी में जल अर्पित किया जिसका मकसद था की यह नाला नही नदी है। शहर कितना भी विकास कर ले नदी के बगैर सबकुछ अधूरा है। यह कूड़ा करकट गंदगी डालने की जगह नही बल्कि आस्था, विश्वास और सहयोग का अर्घ्य देने का स्थान है। ताकी हमारी यह गौरवशाली नदी वर्तमान की दयनीय स्थिति से उबर कर आने वाले समय में फिर से कल-कल करती बहे।

शॉट न्यूज

युवती की आंखों से होती हुई सिर में जा धंसी गोली, मौत

इंदौर। महालक्ष्मी नगर में एक युवती कीआंख में गोली लगने की घटना सामने आई है। सुबह युवती को अस्पताल में एक युवक भर्ती कराने आया और उसके बाद वह गायब हो गया। युवती का नाम भावना था और वह ग्वालियर की रहने वाली थी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। गोली आंखों से होते हुए सिर में घुस गई थी। गोली लगने का पता चलने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालत गंभीर होने के कारण युवती के बयान नहीं हो पाए थे, लेकिन कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। जिस वाहन में युवती को उसके दोस्त अस्पताल लाए थे, उसका नंबर ट्रेस हो गया है। अस्पताल में भर्ती करने के दौरान युवती के दोस्त कीचैन अस्पताल में भूल गए थे। जिस पर आरआर मेंशन लिखा था।

मासूम को नोचने लगे कुत्ते, चीखें सुनकर मां दौडी और बचा ली जान

इंदौर। पंचकुइया राम मंदिर परिसर में 19 मार्च को एक दर्दनाक घटना घटी, जब दो साल की बच्ची पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। बच्ची को घसीटा जाने लगा, उसकी आंख पर एक कुत्ते ने हमला किया और दूसरे कुत्ते ने उसके सिर को बुरी तरह फाड़ दिया। मासूम की चीखें सुनकर उसकी मां दौड़ी और कुत्तों से भिड़ गई। मां ने एक कुत्ते के जबड़े से बच्ची का सिर निकाला और उसे संभालते हुए कुत्तों को भगाने की कोशिश की, इस दौरान वह भी घायल हो गई। वहां मौजूद अन्य लोगों ने कुत्तों को पत्थरों और डंडों से भगाया। बच्ची को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने 35 टांके लगाए। अब उसकी हालत खतरे से बाहर है, लेकिन ठीक होने में एक माह का समय लगेगा।

सिक्योरिटी गार्ड ने खुद को मारी गोली, हालत नाजुक

इंदौर। खजराना क्षेत्र में एक सिक्योरिटी गार्ड ने पारिवारिक विवाद के बाद अपनी लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली। यह घटना शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे वैभव लक्ष्मी नगर में हुई। घायल सिक्योरिटी गार्ड की पहचान राममनोहर भदौरिया के रूप में हुई है, जो एक गार्डन में नाइट ड्यूटी करते थे। सुबह जब वह घर लौटे तो किसी पारिवारिक मुद्दे पर कहासुनी हो गई, जिसके बाद उन्होंने अपनी 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली। राममनोहर ने जैसे ही खुद को गोली मारी, तेज आवाज सुनकर परिजन तुरंत उनके पास पहुंचे। उन्होंने देखा कि गोली उनके जबड़े में लगी है और उनकी हालत गंभीर है। परिवार ने तत्काल उन्हें इंदौर के बॉम्बे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल उपचार शुरू कर दिया।

प्रोफेसर-असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती में महिलाओं के साथ हो रहा भेदभाव

हाईकोर्ट का अंतिम तिथि दो हफ्ते बढ़ाने का आदेश

संवाददाता ● इंदौर

आदेश

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग सहित राज्य सरकार के द्वारा भर्तियां तो निकाली जा रहीं हैं। लेकिन, लगातार उनमें सामने आ रही गड़बड़ियों को देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि मध्य प्रदेश की भर्तियों के परिणाम अब हाईकोर्ट के फैसलों पर ही निर्भर कर रहे हैं। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर्स की भर्ती प्रक्रिया में एक और बड़ी गड़बड़ी सामने आ गई है। इसके पहले आयु सीमा में छूट न दिए जाने के मामलों के सामने आ चुके हैं। अब हाईकोर्ट में दो अलग अलग याचिका दायर कर यह बताया गया है कि इस भर्ती प्रक्रिया में महिलाओं सहित शासकीय कर्मचारी के साथ भेदभाव करते हुए उन्हें आयु सीमा में सही छूट नहीं दी गई। असिस्टेंट प्रोफेसर रेखा सोनी ने जबलपुर हाईकोर्ट में एक याचिका दायर करते हुए प्रोफेसर भर्ती के लिए जारी किए गए नोटिफिकेशन 30.12.2024 को चुनौती दी है।

अधिकतम आयु सीमा को भी कर दिया कम – पहले अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष हुआ करती थी, पर 30 दिसंबर 2024 को जारी किए गए नोटिफिकेशन में न्यूनतम आयु 21 वर्ष और अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष कर दी गई। तो इस तरह से इन भर्ती नियमों में बदलाव करने से अभ्यर्थियों का दोहरा नुकसान हुआ है, क्योंकि एक ओर आयु सीमा में छूट दिए जाने पर 5 साल कम कर दिया और दूसरा अधिकतम आयु सीमा भी 5 साल कम कर दी गई। इस मामले की सुनवाई जबलपुर हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की डिविजनल बेंच में हुई। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद सरकार को यह आदेश दिया है कि वह तीन हफ्तों के अंदर जवाब प्रस्तुत करें कि आखिर कैसे उन्होंने एमपी सिविल सर्विसेज नियमों के विरुद्ध जाते हुए महिलाओं के लिए आयु सीमा की छूट 10 साल से 5 साल कर दी। कोर्ट ने आदेश दिया है कि याचिकाकर्ता सहित सभी वह अभ्यर्थी जिनके मामले इन दो याचिकाकर्ताओं की तरह ही हैं और वह आवेदन करने से वंचित हुए हैं उनके आवेदन स्वीकार किए जाएं, हाईकोर्ट ने सरकार को यह आदेश दिया है कि इसके लिए एक शुद्धि पत्र जारी करें और आवेदन करने की अंतिम तिथि 26 मार्च 2023 से 2 हफ्ते के लिए बढ़ाई जाए।

बजरंग दल के 50 हजार कार्यकर्ता पंक्तिबद्ध दिखेंगे

संवाददाता ● इंदौर

शौर्य संगम कार्यक्रम 29 को नेहरू स्टेडियम में

शहर में मालवा प्रांत बजरंगदल का 50 हजार कार्यकर्ताओं का एकत्रीकरण होना 29 मार्च के दिन सुनिश्चित हुआ है। इसके पूर्व सभी जिलों में प्रखण्ड सः त्रिशूल दीक्षा के बड़े बड़े कार्यक्रम चल रहे है। बनो बजरंगी - गाँव गाँव संयोजक बनाओ अभियान चल रहा है। पूरे प्रांत के सभी जिला से आने बाले कार्यकर्ता इंदौर के चारों दिशाओ में चयनित स्थानों पर विभागों का एकत्रीयकरण होकर सभा स्थल नेहरू स्टेडियम, इन्दौर तक निर्धारित मार्गों से पंक्ति बद्ध होकर पहुंचेंगे। यह ऐसा अवसर होगा जिसमे ग्राम संयोजक से लेकर राष्ट्रीय संयोजक तक कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे, पूज्यनिय संतों की गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे एवं बजरंगदल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दोनैरिया भी रहेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बजरंगदल का ध्येय वाक्य सेवा, सुरक्षा, संस्कार के साथ युवाओं में जागरण लाना है। जैसे- युवाओ में नागरिक कर्तव्यों के साथ राष्ट्र भक्ति, धर्म भक्ति के लिए प्रेरित हो। नशामुक्त युवा, सशक्त युवा, संस्कार वान युवा सम्रद्ध भारत, सशक्त भारत निर्माण। JOIN बजरंगदल - प्रांत में हिन्दू युवाओ को बजरंगदल से जोड़ने का महाअभियान। हिन्दुओं के मान बिंदुओ की सुरक्षा जैसे गौमाता, भारत माता, नारी सुरक्षा, मठ मन्दिर सुरक्षा।

इंदौर-पीथमपुर इकोनामिक कॉरिडोर में मिली पहली सहमति

किसानों की बड़ी जीत : अब 60% विकसित भूमि का मिलेगा हिस्सा

संवाददाता ● इंदौर

सहमति

इंदौर और पीथमपुर के बीच बनने जा रहे बहुप्रतीक्षित इकोनोमिक कॉरिडोर को लेकर अब किसानों की सहमति मिलने की शुरुआत हो चुकी है। यह सहमति मिली है ग्राम सिन्दोड़ी की ममता गुप्ता से, वो पहली भूमि स्वामी बनीं जिन्होंने खसरा नंबर 176/2,176/1 और 185/3 की अपनी 9 बीघा जमीन के बदले अधिकतम विकसित भूमि लेने पर सहमति दी। इस अवसर पर वे मिठाई लेकर एमपीआईडीसी (मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम) के कार्यालय पहुँचीं और खुशी जाहिर की। प्रदेश सरकार ने हाल ही में कैबिनेट बैठक में किसानों की प्रमुख मांग को स्वीकार करते हुए यह ऐतिहासिक निर्णय लिया कि

इंदौर-पीथमपुर इकोनोमिक कॉरिडोर योजना के अंतर्गत अपनी भूमि देने वाले किसानों को मुआवजे के तौर पर 60 प्रतिशत विकसित भूमि का आवंटन किया जाएगा। यह निर्णय मध्य प्रदेश निवेश क्षेत्र प्रबंधन अधिनियम 2013 और नियम 2016 के तहत लिया गया है, जो किसानों को उनकी भूमि के बदले अधिकतम लाभ सुनिश्चित करता है।

बनेगा विश्वस्तरीय इकोनोमिक कॉरिडोर

इंदौर-पीथमपुर इकोनोमिक कॉरिडोर के विकसित हो जाने से हवाई अड्डे से पीथमपुर तक का सफर आधे समय में पूरा किया जा सकेगा। इस कॉरिडोर के तहत क्षेत्रीय और शहरी विकास के साथ-साथ करीब 5 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। साथ ही, 1.15 लाख गरीब परिवारों को किफायती आवास भी प्रदान किए जाएंगे।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर आयोजन

उपभोक्ताओं को प्रदर्शनी के माध्यम से किया जागरूक

संवाददाता ● इंदौर

जिले में 21 मार्च को विश्व उपभोक्ता दिवस मनाया गया। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर कलेक्टर कार्यालय में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस कार्यक्रम में सहायक आपूर्ति अधिकारी दिलीप मनवारे द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। वरिष्ठ नापतौल निरीक्षक के.आर. चौधरी द्वारा उपभोक्ताओं को नापतौल संबंधी सावधानियां रखने हेतु मार्गदर्शन दिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी नीरज श्रीवास्तव द्वारा सामग्री के खरीदी के दौरान पक्के बिल लेने हेतु उपभोक्ताओं को जागरूक करने पर जोर दिया गया। जागरूक उपभोक्ता समिति के सदस्य प्रमोद गुप्ता द्वारा उपभोक्ताओं को विधि संबंधी कानूनी प्रावधानों से अवगत कराया गया। जिला आपूर्ति नियंत्रक एम.एल. मारू द्वारा खाद्य विभाग द्वारा उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में किये गये ऐतिहासिक एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों की जानकारी दी गई। साथ ही इस वर्ष निबंध एवं पोस्टर की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित छात्र/छात्राओं की हौंसला अफजाई की गई। उपभोक्ता मार्गदर्शन केन्द्र के द्वारा इंदौर महानगर में लगातार उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाने के कार्यों को बताया गया।

मुख्य अतिथि निधि बारंगे द्वारा आयोग के माध्यम से आम उपभोक्ताओं को पहुंचाई गई राहत का उदाहरणवार जिक्र किया। आयोजन में गैस एजेंसी, पेट्रोल पम्प, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, नापतौल विभाग, म0प्र0 स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन, म.प्र. वेयर हाउसिंग एंड लाजिस्टिक कार्पोरेशन, बीएसएनएल, सामाजिक न्याय विभाग, विद्युत विभाग आदि की प्रदर्शनी के माध्यम से उपभोक्ताओं को जागरूक एवं उनके अधिकारों के बारे में विभागीय अधिकारियों द्वारा बताया गया। इस अवसर पर उपभोक्ता मार्गदर्शन केन्द्र में लगातार विधिक सहायता में सराहनीय योगदान हेतु डी.जी. मिश्रा का विशेष सम्मान करते हुये 5001 रूपये नगद प्रदान करने की घोषणा की गई। जनपोषण केन्द्र भारत सरकार के पायलट प्रोजेक्ट में मॉडल शासकीय उचित मूल्य दुकानों को तैयार करने में उल्लेखनीय कार्य के फलस्वरूप 30 विक्रेताओं को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जीएसटी में नए नियम पर सेमिनार : रिटर्न और बही-खाता मिलान आवश्यक

5 करोड़ से ज्यादा टर्नओवर वालों को ई-इनवॉइस बनाना जरूरी

टीपीए अध्यक्ष सीए जेपी सर्राफ ने कहा कि एक करदाता एवं कर सलाहकार को जीएसटी में नित्य हो रहे परिवर्तन की जानकारी रखकर ही कार्य करना चाहिए।

संवाददाता ● इंदौर

आयोजन

वित्तीय वर्ष 2024-25 की शुरुआत में जीएसटी के नए नियमों को लेकर टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की इंदौर शाखा ने एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया। अप्रैल 2025 से जीएसटी के प्रावधानों में कुछ परिवर्तन किए जा रहे हैं। टीपीए अध्यक्ष सीए जेपी सर्राफ ने कहा कि एक करदाता एवं कर सलाहकार को जीएसटी में नित्य हो रहे परिवर्तन की जानकारी रखकर ही कार्य करना चाहिए, अन्यथा उन पर कर की मांग के साथ ब्याज एवं पेनल्टी के लिए नोटिस जारी हो सकता है। सीए शैलेन्द्र पोरवाल ने बताया कि करदाताओं को वर्ष के अंत में अपनी लेखा पुस्तकों का जीएसटीआर-1 और 3बी रिटर्न से मिलान करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मार्च माह के रिटर्न में किसी भी तरह की गलती का सुधार किया जा सकता है। विशेष रूप से विक्रय, इनपुट टैक्स क्रेडिट, डेबिट-क्रेडिट नोट और रिवर्स चार्ज में कर भुगतान का मिलान आवश्यक है। इनपुट टैक्स क्रेडिट के मामले में यदि गलती से अधिक क्रेडिट ली गई है, तो उसे ब्याज सहित वापस जमा करना होगा। फिक्स्ड एसेट्स की बिक्री पर जीएसटी देयता की भी जांच करनी चाहिए। कार्यक्रम में आरएस गोयल, एससी बंसल, यश खंडेलवाल, पंकज सेठी, अक्षत बाहेती एवं बड़ी संख्या में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स एवं कर सलाहकार उपस्थित थे। आभार टीपीए के स्टेट जीएसटी सचिव कृष्ण गर्ग ने माना।

ब्याज, पेनल्टी और लेट फीस से छूट मिल

- पोरवाल ने एक महत्वपूर्ण जानकारी साझा की कि 2017-18 से 2019-20 तक की धारा 73 के तहत जारी मांग को 31 मार्च तक भुगतान करने पर ब्याज, पेनल्टी और लेट फीस से छूट मिल सकती है। साथ ही, 2017-18 से 2020-21 के लिए धारा 16(4) के तहत निकाली गई मांग का समाधान रेक्टीफिकेशन आवेदन के माध्यम से किया जा सकता है, बशर्ते संबंधित रिटर्न 30 नवंबर 2021 तक भरे गए हों।

पोर्टल पर घोषणा पत्र दाखिल करना होगा - नए वित्त वर्ष 2025 -26 में एक्सपोर्ट या एसईजेड को बिना कर के भुगतान के सप्लाई करने के लिए करदाता को LUT फाइल करना होगा। इसी प्रकार नए वित्त वर्ष में त्रैमासिक रिटर्न रिटर्न (QRMP) या जीटीए द्वारा 12 % की दर से कर के भुगतान के विकल्प का चुनाव करने के लिए के लिए पोर्टल पर एक घोषणा पत्र दाखिल करना होगा।

कर्नाटक सरकार ने छेड़ा ज्वलंत मुद्दा, सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को

सुप्रीम कोर्ट के जज सूर्यकांत ने कहा है कि राज्य सरकारें प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी के बड़े दावे कर रही हैं तो फिर 75 फीसदी आबादी गरीबी रेखा के नीचे क्यों है? संविधान में सभी को बराबरी का दर्जा है लेकिन वोट हासिल करने के लिए नेता रेवड़ी और आरक्षण के नाम पर बांट रहे हैं। कर्नाटक में सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को आरक्षण देने के प्रस्ताव से कांग्रेस की सिद्धारमैया सरकार ने बर्र के छत्ते में हाथ डाल दिया है। इस मामले में कई संवैधानिक सवाल खड़े हो रहे हैं, जिनके जवाब के लिए 4 पहलुओं पर मंथन जरूरी है।

कर्नाटक का कानून : कर्नाटक में माल और सेवाओं की सरकारी आपूर्ति के टेंडर के लिए 1999 में कानून बना था। उसमें एससी/एसटी के साथ तीन अन्य श्रेणियों के लिए आरक्षण का प्रावधान है। कानून में संशोधन के लिए विधानसभा में पेश विधेयक के अनुसार श्रेणी-2बी के तहत मुस्लिम समुदाय को सरकारी ठेकों में आरक्षण मिलेगा। यह आरक्षण 2 करोड़ तक के सिविल कार्यों और 1 करोड़ तक के वस्तु/सेवा ठेकों में मिलेगा। इसके बाद सरकारी ठेकों में सभी वर्गों के लिए कुल 47.45 फीसदी आरक्षण हो जाएगा। शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण के लिए चिनप्पा रेड्डी आयोग की सिफारिशों के अनुसार देवगौड़ा सरकार ने श्रेणी-2बी के तहत मुस्लिमों को 4 फीसदी आरक्षण देने के लिए 1995 में कानून बनाया था। पिछली भाजपा सरकार ने मार्च 2023 में ओबीसी के दायरे से मुस्लिमों को बाहर करते हुए वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों को 2-2 फीसदी आरक्षण बढ़ाने की बात कही। भाजपा सरकार के उस फैसले को चुनौती दी गई, जो दो सालों से सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

2. ओबीसी का पेंच : केरल, बिहार और तमिलनाडु जैसे कई राज्यों में ओबीसी कोटे से मुस्लिम समुदाय की पिछड़ी जातियों को आरक्षण दिया जाता है। लेकिन धार्मिक आधार पर अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने के लिए संविधान में कोई प्रावधान नहीं है। विवाद बढ़ने के बाद राज्य सरकार ने दावा किया कि मुस्लिमों के साथ ईसाई, बौद्ध और जैन- सभी वर्ग टेंडर में आरक्षण के दायरे में आएंगे।

लेकिन सामाजिक कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट में उपलब्ध नोटिफिकेशन के अनुसार श्रेणी-2बी में सिर्फ मुस्लिम समुदाय का ही उल्लेख है। विधानसभा में पेश नए विधेयक के अनुसार मुस्लिम समुदाय को ओबीसी के दायरे में आरक्षण दिया जा रहा है। इस्लाम में जाति प्रथा नहीं होती और सभी को समान माना जाता है। आरक्षण में जाति और धर्म के घालमेल से आगे चलकर कई कानूनी पेंच फंस सकते हैं।

लेकिन सामाजिक कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट में उपलब्ध नोटिफिकेशन के अनुसार श्रेणी-2बी में सिर्फ मुस्लिम समुदाय का ही उल्लेख है। विधानसभा में पेश नए विधेयक के अनुसार मुस्लिम समुदाय को ओबीसी के दायरे में आरक्षण दिया जा रहा है। इस्लाम में जाति प्रथा नहीं होती और सभी को समान माना जाता है। आरक्षण में जाति और धर्म के घालमेल से आगे चलकर कई कानूनी पेंच फंस सकते हैं।

अल्पसंख्यक का दायरा : संविधान में अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी नौकरियों, विधानसभा और लोकसभा में आरक्षण का प्रावधान है। उसके बाद ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के तहत अल्पसंख्यक वर्ग के लोग भी आरक्षण के दायरे में आ गए। हिंदू धर्म के व्यापक-दायरे में जैन, बौद्ध और सिख धर्म के अनुयायी भी आते हैं। मुस्लिम, ईसाई, यहूदी आदि को अल्पसंख्यक माना जाता है, जिनकी धार्मिक और सांस्कृतिक सुरक्षा के लिए संविधान में अनेक प्रावधान हैं। सुप्रीम कोर्ट में दायर एक याचिका के अनुसार अल्पसंख्यक समुदाय का निर्धारण राज्यों के अनुसार होना चाहिए। 2011 की जनगणना के अनुसार 6 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में हिंदू समुदाय को अल्पसंख्यक वर्ग का दर्जा और अन्य लाभ देने की मांग की गई है। इधर धर्म के अलावा भाषा के आधार पर भी अल्पसंख्यकों का निर्धारण करने की मांग होने लगी है। सुप्रीम कोर्ट का पक्ष : सरकारी ठेकों में लघु और ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए आरक्षण हो सकता है। लेकिन जाति या धर्म के आधार पर आरक्षण से भ्रष्टाचार और पक्षपात बढ़ने के साथ सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। टेंडर में आरक्षण से योग्य व कुशल लोगों से काम करने के अवसर छिन सकते हैं, जो संविधान की समानता और व्यापार की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। आरक्षण से सरकारी टेंडरों में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा खत्म होने की बात कही जाती है।

संत वचन

फिर आज हमारे सुसमाचार के अंश में, हमने सुसमाचार के संत लूका के सुसमाचार से वर्णन की निरंतरता सुनी, जहाँ प्रभु ने फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों को उनके कार्यों और ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता में उनके विश्वास की कमी के लिए फटकारना और आलोचना करना जारी रखा। इन सभी में संदर्भ को इस तरह से समझा जाना चाहिए कि प्रभु को उन सभी फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों से लगातार विरोध और अस्वीकृति, जिद्दी रवैये और बाधाओं का सामना करना पड़ा था, जो अक्सर उनकी शिक्षाओं पर संदेह करते थे, उनके सिखाने और चमत्कार करने के अधिकार पर सवाल उठाते थे, और जो प्रभु ने उन्हें प्रकट किया था और सिखाने का प्रयास किया था, उसका विरोध करने के लिए परमेश्वर के कानून की अपनी सख्त और कठोर व्याख्या और समझ का उपयोग करते थे। इस प्रकार, प्रभु को अक्सर इन सभी के कारण अपने मंत्रालय के दौरान बहुत कठिनाइयों का सामना

अपने बच्चे के पहले ब्रेकअप को एक सीख के रूप में लें

एडिट.नोट

वह अचानक सोशल मीडिया की अंतहीनता से परिचित हो गया था। पिछले कुछ महीनों से वह अपने पिता के बिजनेस में मदद कर रहा था। शुरू में सब कुछ सामान्य था। फिर उसने एक अलग केबिन और एक कंप्यूटर मांगा, जो उसे कार्यालय में उपलब्ध कराया गया। लेकिन नया केबिन बनने के बाद से वह कभी भी यह जानने के लिए उससे बाहर नहीं निकलता था कि उसके पिता अपना बिजनेस कैसे चला रहे हैं। पिता चाहते थे कि बेटा उनके केबिन में ज्यादा समय बिताए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा था। वे उसे अपने साथ हर ऑफिस-मीटिंग में ले जाते थे। बेटा कुछ मिनटों के लिए मीटिंग में शामिल होता, फिर कोई कॉल अटेंड करने के बहाने चैम्बर से बाहर चला जाता और फिर लौटकर नहीं आता। पिता ने पहले सोचा कि उसे केबिन में अधिक समय बिताना और अपनी नई पोजिशन का आनंद लेना अच्छा लग रहा है, इसलिए उन्होंने उसे कुछ समय के लिए ऐसा करने दिया। लेकिन उन्हें लगा कि वह कुछ मिस कर रहा है और दिन भर अपने फोन और कंप्यूटर से चिपका रहता है। पिता ने बेटे से एक दोस्त की तरह बात की, लेकिन बेटा खुल नहीं रहा था। इससे पिता को एहसास हुआ कि बेटा अनजाने में प्रेम संबंधों की दुनिया में प्रवेश कर गया है।

वे इसलिए इसे जल्दी से समझ गए, क्योंकि बेटा अपने क्रश या ब्रेकअप से मुक्त नहीं हो पा रहा था। वह घर पर भी अपने कमरे में अकेला बैठा रहता। वह अपना फोन हमेशा जेब में रखता था और पहले की तरह उसे डाइनिंग या काम की मेज या मुख्य दालान में नहीं रखता था। ऑफिस में भी उसका फोन हमेशा उसकी नजर में रहता था। और मोबाइल की रोशनी के प्रति उसकी सजगता उस रोशनी के बाद आने वाले साउंड से ज्यादा थी। हर कोई उसमें आए इस बदलाव को देख सकता था। मैसेज बॉक्स में ब्लू टिक दिखने पर उसके चेहरे का भाव बदल जाता था, जो यह बताता था कि जिस व्यक्ति को उसने बहुत पहले मैसेज भेजा है, उसने उसे देख लिया है। फिर वह तब तक बेचैन रहने लगता, जब तक कि कोई जवाब नहीं आ जाता। अगर दूसरा व्यक्ति खुश नहीं होता तो वह चिंतित हो जाता। उसके और इस नए रिश्ते के बीच यह निर्भरता उस नौजवान के लिए भले ही खुशी का स्रोत हो सकती थी लेकिन घर पर माता-पिता के लिए यह तनाव का कारण बन रही थी। पिता बहुत समझदार थे और जानते थे कि ऐसे रिश्ते युवाओं को तुरंत और गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। माता-पिता जानते थे कि उनके बेटे का दिन केवल इस बात से तय नहीं होता कि वह उस दिन कैसा महसूस करता है बल्कि इससे तय होता है कि कोई और कैसा महसूस करता है। पिता को एहसास हुआ कि इस तरह से आगे बढ़ना वाकई बहुत मुश्किल है। यह नया रिश्ता या ब्रेकअप उनके बेटे पर बहुत दबाव डाल रहा था।

पिता को एक आइडिया आया। उन्होंने बिजनेस में बेटे की नई जिम्मेदारी की घोषणा करने वाली एक पार्टी का आयोजन किया और बेटे से कहा कि पार्टी में अपने उन दोस्तों को भी बुलाए, जिनसे वे कभी नहीं मिले थे। तब बेटे ने उन्हें खुलकर अपने ब्रेकअप के बारे में बताया। कई युवाओं के लिए ब्रेकअप एक वास्तविक क्षति का पहला अनुभव होता है। उन्होंने उससे दिल खोलकर बात की कि वह कैसे मूव-ऑन करना चाहता है। फिर पिता-पुत्र ने अपने बिजनेस की योजना के साथ-साथ उस रिलेशनशिप की क्षति पर एक ब्लूप्रिंट तैयार किया। फंडा यह है कि बच्चे ब्रेकअप से तब जल्दी उबर पाते हैं, जब उनके माता-पिता यह समझने में उनकी मदद करते हैं कि यह एक सीखने का अनुभव है और जब वे इन सवालों का जवाब देते हैं कि उन्हें किन बातों को महत्व देना है और उस रिलेशनशिप में क्या गलत हुआ था।

मिन्हाज मर्चेंट - लेखक

क्या जम्मू और कश्मीर राज्य के दर्जे के लिए तैयार है?

जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद घटा है और पर्यटन बढ़ रहा है। अक्टूबर में वहां विधानसभा चुनाव भी शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गए। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से सामंजस्यपूर्ण संबंध विकसित किए हैं। वे दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गलती को दोहराने से सावधान हैं। दिल्ली के कई उपराज्यपालों के साथ केजरीवाल के संबंध न केवल टकरावपूर्ण, बल्कि वैरपूर्ण भी थे।

अब्दुल्ला ने कहा है कि वे एक केंद्र शासित प्रदेश के संचालन की बदलती चुनौतियों से अवगत हैं। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से चार साल पहले, 2009 से 2015 के बीच मुख्यमंत्री के रूप में अब्दुल्ला ने राज्य के इतिहास के सबसे अशांत कालखंडों में से एक का सामना किया था। हुर्रियत अलगाववादी अपने पाकिस्तानी आकाओं के निर्देशों पर बेकाबू हो गए थे। घाटी में पथराव आम बात थी। युवा कश्मीरी पत्थरबाजों को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा पैलेट गन का इस्तेमाल किया जाता था। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद हालात नाटकीय रूप से बदले हैं। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने हाल ही में गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति को बताया कि 2019 में आतंकी घटनाओं की संख्या 286 थी, घटकर 2024 में 40 हो गई। अब्दुल्ला ने 14 मार्च, 2025 को विधानसभा में खुलासा किया कि पर्यटकों की संख्या में उछाल आया है। गत कैलेंडर वर्ष में 2.35 करोड़ पर्यटक जम्मू-कश्मीर आए, जो 2019 में आए पर्यटकों की संख्या (1.09 करोड़) से दोगुने थे। अब्दुल्ला ने बताया कि बुनियादी ढांचे में निवेश भी तेजी से बढ़ा है।

और इसके बावजूद अब्दुल्ला की एनसी पार्टी संतुष्ट नहीं है। वह राज्य का दर्जा चाहती है। वह कहती है कि अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष दर्जे को खत्म करने से आज भी कई कश्मीरी नाराजगी महसूस करते हैं। जबकि तथ्य यह है कि संविधान में अनुच्छेद 370 स्पष्ट रूप से एक अस्थायी व्यवस्था थी। मोदी और शाह के साथ अब्दुल्ला की बैठकें शांत माहौल में हुई हैं, पर उनमें राज्य के दर्जे का मामला छाया रहता है। अब्दुल्ला को एक ही जवाब दिया जाता है : प्रधानमंत्री ने सदन में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने का वादा किया है और यह एक अटूट प्रतिज्ञा है।

ोकिन इसके साथ एक शर्त भी है : राज्य का दर्जाज्ज तब मिलेगा जब हालात दुरुस्त होंगे। अब्दुल्ला की दलील है कि हालात तो पहले से ही दुरुस्त हैं। मजे की बात यह है कि जब अब्दुल्ला कहते हैं कि हालात अब शांतिपूर्ण हैं तो वे जाने-अनजाने अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण का समर्थन कर रहे होते हैं। अब्दुल्ला ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि उनका मानना है छह महीने के भीतर राज्य का दर्जा मिल जाएगा। उन्होंने मोदी को याद दिलाया कि चुनाव और राज्य का दर्जा एक के बाद एक होने वाले थे। एलजी सिन्हा के कंधों का भार अपने पर लेने से पहले उन्हें कितना इंतजार करना होगा? जवाब है, यह इंतजार छह महीने से भी लंबा हो सकता है। क्योंकि पाकिस्तान ने एलओसी के पार तस्करी करने वाले आतंकवादियों की संख्या बढ़ा दी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और सेना के सूत्रों का कहना है कि यूटी में अभी भी 200 से 300 सक्रिय आतंकवादी हैं। पाकिस्तानी ड्रोन घाटी में हथियार गिराते रहते हैं। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) द्वारा पाकिस्तानी ट्रेन पर किए गए हमले के बाद पाकिस्तान एक साथ तीन लड़ाइयां लड़ रहा है- बीएलए, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अफगान तालिबान के साथ।

ऐसे में इस्लामाबाद को उन आतंकवादियों से ध्यान हटाने की जरूरत है, जिन्हें उसने दशकों से भारत के खिलाफ पाला है। वे अब पाकिस्तान को ही नुकसान पहुंचा रहे हैं। जैसा कि पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने सालों पहले चेतावनी दी थी : आप अपने आंगन में यह सोचकर सांप नहीं पाल सकते कि वे केवल आपके पड़ोसियों को ही काटेंगे। पाकिस्तान के लिए अपने सशस्त्र बलों का मनोबल बढ़ाने का पारंपरिक तरीका कश्मीर में आतंकी हमला करना था। यूटी के केंद्र के नियंत्रण में आने के बाद से उस आतंकी खतरे को कम किया गया है। ऐसे में यदि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलता है तो क्या गैरकानूनी गतिविधियों पर ?कड़ा नियंत्रण जारी रहेगा

बिजनेस.न्यूज

कंपनियों ने 3 से 4फीसदी तक कीमत बढ़ाने का ऐलान किया, वजह मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट बढ़ना

एजेंसी ● मुंबई

मारुति सुजुकी के बाद टाटा मोटर्स और किआ इंडिया ने भी अपनी गाड़ियों की कीमत बढ़ाने का ऐलान किया है। नई कीमतें अप्रैल-2025 से लागू हो जाएंगी। इससे पहले सभी कंपनियों ने जनवरी में अपनी कारों की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया था। पैसेंजर व्हीकल्स की कीमतें बढ़ाने के पीछे सभी ऑटोमोबाइल कंपनियों ने लगभग एक जैसा ही कारण दिया है। कंपनियां इनपुट कॉस्ट और लॉजिस्टिक्स में बढ़ोतरी के चलते ऐसा फैसला ले रही हैं। कंपनियों के इस फैसले का सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ेगा, खासकर उन ग्राहकों पर जो नई कार खरीदने का विचार कर रहे हैं।टाटा मोटर्स ने अप्रैल-2025 से अपनी पैसेंजर कार की कीमत बढ़ाने की घोषणा की है। कंपनी अपने पोर्टफोलियो में शामिल सभी पैसेंजर व्हीकल (पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक) की प्राइस बढ़ाएगी। हालांकि टाटा ने यह नहीं बताया है कि कितने प्रतिशत दाम बढ़ाए जाएंगे। कंपनी 3 महीने में दूसरी बार कारों के दाम बढ़ाने जा रही है, इससे पहले इसी साल जनवरी में अपने पैसेंजर व्हीकल्स की कीमतों में 3% तक की बढ़ोतरी की गई थी।

टाटा मोटर्स ने मंगलवार को एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि, मैन्युफैक्चरिंग और इनपुट कॉस्ट बढ़ने की वजह से कीमतें बढ़ाने का भार डालने का फैसला लिया है। कंपनी ने यह भी बताया कि, मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से कीमत में बढ़ोतरी अलग-अलग होगी। इससे पहले टाटा मोटर्स ने सोमवार को अप्रैल 2025 से कॉमर्शियल व्हीकल्स के दाम 2% तक बढ़ाने का ऐलान किया था। टाटा मोटर्स की योजना इस साल कई नई कार लॉन्च करने की है, जिनमें हैरियर का ईवी वर्जन और सिएरा की फिर से वापसी शामिल है। टाटा सिएरा का क्छए और एश दोनों अवतार पेश किए जाएंगे। कंपनी अपनी कुछ मौजूदा कार जैसे पंच, टियागो और टिगोर के फेसलिफ्ट वर्जन भी साल के आखिर तक पेश कर सकती है।साउथ कोरियन ऑटोमोबाइल कंपनी किआ मोटर्स इंडिया ने भी अपनी कारों के दाम बढ़ाने का ऐलान किया है।

कंपनी ने बताया कि सभी कार की कीमतों में 3% का इजाफा किया जाएगा। नई कीमतें अगले महीने यानी की अप्रैल 2025 से लागू होंगी। ऑटोमेकर ने बताया कि सप्लाई से जुड़े खर्च भी बढ़ गए हैं। कमोडिटी कीमतों में बढ़ोतरी और सप्लाई चेन की लागत बढ़ने से किआ ने अपनी सभी कार की कीमतों को बढ़ाने का फैसला लिया है। कंपनी ने बताया कि शिपिंग, ट्रांसपोर्टेशन और लॉजिस्टिक्स जैसे खर्चे बढ़ गए हैं। इन खर्चों में फैक्ट्री में कलपुर्जे और पार्ट्स पहुंचाने और फिर तैयार कार डीलरशिप तक पहुंचाने की कॉस्ट शामिल है। किआ ने स्टील, एल्युमीनियम और प्लास्टिक की लागत में बढ़ोतरी को भी कारों के दाम में बढ़ोतरी की वजह बताया है।

मारुति सुजुकी की गाड़ियां 4% महंगी होंगी

मारुति सुजुकी ने सोमवार (17 मार्च) को कहा था कि, रॉ मटेरियल की बढ़ती लागत और ऑपरेशनल कॉस्ट बढ़ने के कारण अप्रैल-2025 से कारों की कीमतें बढ़ाई जाएंगी। कीमतों में बढ़ोतरी 4% तक होगी और यह मॉडल के आधार पर अलग-अलग होगी। इससे पहले 1 फरवरी 2025 से मारुति ने कार की कीमतों में 32,500 रुपए तक इजाफा किया था। वहीं जनवरी में भी कंपनी ने अपने सभी मॉडल्स पर 4% तक की बढ़ोतरी की थी। तब भी मारुति ने कीमत बढ़ाने की वजह रॉ मटेरियल महंगा होना बताया था।

5 मिनट में 400 किलो चलने के लिए चार्ज होगी

एजेंसी ● बीजिंग

चाइनीज इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी इ ऊ ने एक ऐसा चार्जिंग सिस्टम बनाया है जो कार को 5 मिनट में 400 किलोमीटर तक चलने के लिए चार्ज कर सकता है। यानी, जितना समय पेट्रोल भराने में लगता है उतने ही समय में आपकी कार लगभग फुल चार्ज हो जाएगी। कंपनी ने इसे 'सुपर ई-प्लेटफॉर्म' नाम दिया है। कंपनी के फाउंडर वांग चुआनफू ने कंपनी के शेन्जेन मुख्यालय से लाइवस्ट्रीम किए गए एक एक इवेंट में कहा कि सुपर ई-प्लेटफॉर्म 1,000 किलोवाट की पीक चार्जिंग स्पीड में सक्षम होगा।

1,000 किलोवाट की चार्जिंग स्पीड टेस्ला के सुपरचार्जर से दोगुनी है। सुपरचार्जर में 500 किलोवाट तक की चार्जिंग स्पीड मिलती है।नया चार्जिंग आर्किटेक्चर शुरूआत में दो नई एश- हान एल सेडान और टैंग एल एसयूवी को सपोर्ट करेगा। इन कारों की शुरूआती कीमत 270,000 युआन (32.33 लाख) है। कंपनी ने कहा है कि नए प्लेटफॉर्म से मेल खाने के लिए पूरे चीन में 4,000 से ज्यादा अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग यूनिट बनाएगी। हालांकि ये कब तक बनेंगे इसकी जानकारी नहीं है।कार ओनर्स अभी चार्जिंग के लिए बड़े पैमाने पर दूसरे एश मैन्युफैक्चरर और थर्ड पार्टी ऑपरेटर्स पर निर्भर हैं। इ ऊ अपनी बिक्री के लिए ज्यादातर प्लग-इन हाइब्रिड पर निर्भर है, जो पिछले साल 42 लाख तक पहुंच गई थी।इसने इस साल 50-60 लाख यूनिट बेचने का लक्ष्य रखा है। चीन की ली ऑटो, एक्सपेंग और जीकर जैसी छोटी कंपनियां भी अपने फास्ट-चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार करने के का प्रयास कर रहीं है।चाइनीज मार्केट में चार्जिंग के लिए इ ऊअभी अन्य ऑटोमेकर्स पर निर्भर है, इनमें एक कंपनी नियो है, जिसके देशभर में 2,700 फास्ट चार्जिंग स्टेशन हैं। टेस्ला 2014 से चीन में अपने सुपरचार्जर ऑफर कर रही है और अब तक 2000 चार्जिंग स्टेशन बना चुकी है।

राज-काज

सोया तेल में प्लांटों का बिकवाली दबाव

इंदौर। कमजोर मांग के कारण ऊपरी स्तरों से सोया तेल में लेवाली सुस्त है। कंपनियों फारवर्ड महीने के सौदे मार्च महीने से चार से सात रुपये प्रति किलो नीचे बेच रही हैं जो आगे गिरावट का संकेत है। ऊंची लैंडिंग कास्ट और रेडी कीमतों में करेक्शन के कारण आयात मार्जिन में गिरावट आई है। उच्च स्तर पर मांग कमजोर रहने से कई साल्वेंट प्लांटों द्वारा भावों में कटौती कर बिकवाली कर रहे हैं। सन आयल का आयात बढ़ेगा, जिससे सोया तेल की कमी की भरपाई होगी। खाद्य तेल-मूंगफली तेल इंदौर 1380-1400, मुंबई मूंगफली तेल 1420, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 1285-1290, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 1225-1230, इंदौर पाम 1417, मुंबई सोया रिफाइंड 1320, मुंबई पाम तेल 1360, राजकोट तेलिया 2205, गुजरात लूज 1350-1375, कपास्या तेल इंदौर 1270 रुपए प्रति दस किलो। सोयाबीन प्लांट- बेतूल ऑयल सतना 4175 बेतूल ऑयल 4125 धानुका सोया नीमच 4160 रुपए।

ऑल टाइम हाई से 2,780 गिरा चांदी का दाम

एक किलो 97,620 पर आया, सोना 337 सस्ता होकर 88,169 पर बिक रहा

नई दिल्ली। ऑल टाइम हाई से 2,780 गिरा चांदी का दामःएक किलो 97,620 पर आया; सोना 337 सस्ता होकर 88,169 पर बिक रहा हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी शुक्रवार (21 मार्च) को सोना-चांदी के दाम में गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (क्इखअ) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 88,506 रुपए से 337 रुपए कम होकर 88,169 रुपए पर आ गया है। कल गोल्ड की कीमत लगातार पांचवें दिन ऑल टाइम हाई पर थी। आज चांदी के भाव में भी कल के मुकाबले 772 रुपए की गिरावट है, ये 97,620 रुपए प्रति किलो बिक रही है। कल एक किलो चांदी 98,392 रुपए पर थी। मंगलवार, 18 मार्च को चांदी का भाव 1,00,400 प्रति किलो के ऑल टाइम हाई पर था, तब से इसमें 2,780 रुपए कमी हो चुकी है। दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,370 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,220 रुपए है। कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 82,700 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 90,220 रुपए है।चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,220 रुपए है।केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि एक बड़ी रैली के बाद सोने में गिरावट आनी थी, वह आ चुकी है। जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ने से गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। वहीं गोल्ड एळत्रमें निवेश भी बढ़ रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 92 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच सकता है। वहीं अगर चांदी की बात करें तो ल्ठ्रख्र सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार इसकी कीमत में आगे भी तेजी देखने को मिल सकती है। साल के आखिर चांदी 1 लाख 8 हजार रुपए तक जा सकती है। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (इक्र) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी ल्ववक्ळकहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- अे4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

केंद्रीय नेताओं के साथ किसानों की बैठक से पहले पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी सीमा पर आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल।

राज्य आनंद संस्थान एवं मप्र जन अभियान परिषद के बीच हुआ एमओयू

सबके जीवन में खुशहाली लाना ही हमारा लक्ष्य : सीएम

मुख्यमंत्री कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दो दिवसीय नेशनल हैप्पीनेस सेमिनार में शामिल

संवाददाता ● भोपाल

अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सुख और दुःख मनुष्य के जीवन से उसी तरह जुड़े हैं, जैसे दिन के बाद रात। सुख-दुख जीवन के अभिन्न अंग हैं। लोक कल्याणकारी राज्य का प्रथम कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों के जीवन में खुशहाली लेकर आए। हमारी सरकार इसी दिशा में कार्य कर रही है। सबका कल्याण ही हमारा मूल लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि त्याग, तप, साधना, बलिदान, असंचय, अपरिग्रह और निस्वार्थ सेवा भाव से मन की शांति ही सुख है। प्रकृति के सानिध्य में जब मन, परमात्मा के भावों में लीन हो जाता है, तब ही तादात्म्य ही सच्चा सुखानंद प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आनंद विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय नेशनल हैप्पीनेस कार्यशाला को संबोधित करते हुए ये विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि लाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि प्रदेश के सभी नागरिकों के जीवन में उल्लास भरने के लिए हमारी सरकार जी-जान से जुटी है। कार्यक्रम में मप्र जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त) डॉ. मोहन नागर, श्री रामकृष्ण मिशन, बेलूर मठ, कोलकाता से आए स्वामी श्रीसमर्पणानन्द, पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.रजनीश अरोड़ा, आईआईएम इंदौर के पूर्व निदेशक डॉ. एन रविचन्द्रन, प्रमुख सचिव, आनंद विभाग राघवेन्द्र कुमार सिंह, राज्य आनंद संस्थान के सीईओ आशीष कुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में सुधिजन एवं आनंदक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के हर नागरिक के जीवन में हर्ष, आनंद और खुशहाली लाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जनहितैषी योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के हर वर्ग को लाभान्वित कर रही है।

सकारात्मक रखें दृष्टिकोण तो मिलेगी खुशी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे सकारात्मक दृष्टिकोण से सरकार के साथ मिलकर एक खुशहाल समाज के निर्माण में योगदान दें। आनंद विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस दो दिवसीय नेशनल हैप्पीनेस सेमिनार का उद्देश्य आनंद के नए आयाम और नित नई परिस्थितियों में आनंद की खोज करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष राज्य आनंद संस्थान भोपाल एवं मप्र जन अभियान परिषद के बीच एमओयू (समझौता ज्ञापन) का आदान-प्रदान हुआ। यह समझौता ज्ञापन मात्र प्रपत्रों का आदान-प्रदान न होकर दो जमीन स्तर से प्रभावी संगठनों के समन्वय की महत्वाकांक्षी पहल है। यह समझौता दोनों विभागों के बीते एक वर्ष में कुल 24 हजार 310 और बीते तीन वर्षों में 72 हजार 390 लोगों के जीवन में स्वैच्छिकता और आनंद का कारक बना। स्वामी समर्पणानन्द जी ने कहा कि हम सभी को प्रकृति के प्रति और परमेश्वर के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। हम अपनी सांस्कृतिक परम्पराओं के संवाहक बनें और मनुष्य में निहित देव गुणों को उभारें। यह मानव जाति की सेवा के लिए हमें प्रेरित करेगा और जब आप सच्चे मन से किसी की सेवा करते हैं तो जो शांति मिलती है, वही आनंद है और वही जीवन का सार है। उन्होंने देश में आनंद विभाग स्थापित करने वाली मध्यप्रदेश सरकार की प्रशंसा की।

शॉर्ट न्यूज

रंगोत्सव की विदाई पर झमाझम बारिश से जबलपुर हुआ तरबतर

जबलपुर। 5 दिनों के रंगोत्सव की विदाई पंचमी को हुई और बादल भी इस विदाई में जमकर झूमे। जहां देर रात हुई बारिश से जबलपुर शहर तरबतर हो गया। शहर में करीब आधे घंटे तक तेज बारिश होती रही, जबकि कुछ इलाकों की बिजली सप्लाई तक बंद हो गई। जिसके कारण लोग परेशान भी दिखे। हालांकि ठंडी हवा और बारिश से लोगों ने राहत की सांस जरूर ली तो वहीं कृषि विभाग ने किसानों को फसल बचाने की सलाह दी। वहीं बीते दिन सूरज की तपन से राहत देने वाले बादलों ने बुधवार सुबह से ही आसमान में अपना डेरा डाल दिया था, लेकिन जैसे ही शाम हुई ठंडी हवाओं ने बारिश का एहसास दिला दिया था। मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले दो से तीन दिनों तक इसी तरह मौसम बना रहेगा। जहां गरज-चमक के साथ जिले के कई इलाकों में बारिश हो सकती है।

नुक्कड़ नाटकों से दे रहे टीबी से बचाव का संदेश

भोपाल। केंद्र सरकार के '100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान' के तहत भोपाल रेलवे स्टेशन पर एक आकर्षक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से यात्रियों और स्थानीय लोगों को टीबी (तपेदिक) के लक्षण, जांच, उपचार और बचाव के बारे में जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय डोगरा के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में टीबी को लेकर फैले भ्रमों को दूर करना और स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक बनाना था। जानकारी अनुसार नुक्कड़ नाटक में धर्मराज, चित्रगुप्त और यमदूत जैसे पौराणिक पात्रों का उपयोग किया गया, जिन्होंने हास्य, गीत और नृत्य के माध्यम से दर्शकों को न केवल मनोरंजन किया।

कालरी क्वॉर्टर में मिला नशीली दवाइ का जखीरा

शहडोल। मप्र के शहडोल जिले के कोयलांचल नगरी धनपुरी में नशीली सामग्रियों का कारोबार करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए उनके पास से 89 नग नशीला कफ सिरप बरामद किया है। कालरी क्वॉर्टर में छापामार कार्रवाई कर पुलिस में आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नशीली दवाइयां जब्त की है। गिरफ्तार आरोपियों में पवन सोनी उर्फ पवनराज, रितेश कुमार एवं मो। जफर उर्फ राजाबाबू धनपुरी शामिल हैं। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, धनपुरी थाना पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि रितेश सिंह व पवन सोनी नाम के व्यक्ति, बंगबार कालोनी में कालरी के क्वॉर्टर में अवैध रूप से नशीली दवाई कोरेक्स बिक्री करने हेतु रखे हैं।

ठग नटवरलाल खुद फंसा अपने जाल में

मंचित हुआ नाटक 'मारे गए गुलफाम' शक और साजिश की जुगलबंदी

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल के एल बी टी सभागार में फ्लाइंग फैरीज नाट्य संस्था द्वारा गुरुवार को हास्य नाटक 'मारे गए गुलफ़ाम' का मंचन किया गया। इस नाटक ने दर्शकों को खूब हंसाया और ठगों की चालबाजियों पर करारा व्यंग्य किया। इस नाटक को वरिष्ठ निर्देशक डॉ आजम खान ने डायरेक्ट किया। वहीं, लेखक संदीप लेले ने लिखा है। नाटक 'मारे गए गुलफाम' की कहानी एक धूर्त ठग नटवरलाल के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अमीर घरों की महिलाओं को अपने प्रेमजाल में फंसाकर ठगने की साजिश रचता है। लेकिन उसकी यह चालाकी ज्यादा दिन तक नहीं चल पाती। रमा और कोकिला नाम की दो महिलाएं उसकी साजिश को समझ जाती हैं और उसे सबक सिखाने की योजना बनाती हैं।

इधर, रमा का पति भी किसी दूसरे से नटवरलाल की साजिश के बारे में जान लेता है और अपनी पत्नी को बिना बताए खुद ही इस मामले को सुलझाने में जुट जाता है। जब नटवरलाल अपने जाल में फंसा हुआ पाता है, तब हास्यास्पद घटनाओं की कड़ी शुरू हो जाती है। पति अपनी ही पत्नी पर शक करता है और रंगे हाथों पकड़ने की योजना बनाता है, लेकिन जब सच्चाई सामने आती है, तो नटवरलाल का पर्दाफाश हो जाता है। आखिर में, नटवरलाल अपनी गलती मानकर सबसे

माफी मांगता है और दोबारा किसी को धोखा न देने की कसम खाता है। दर्शकों ने इस दिलचस्प और हास्य से भरपूर नाटक का खूब आनंद उठाया।

मंच पर जीवंत हुए किरदार

नटवरलाल की भूमिका में प्रदीप मंदरे ने शानदार अभिनय किया, जबकि रमा के किरदार में अंजना राय और कोकिला की भूमिका में शिवानी कटेरिया ने अपने प्रदर्शन से दर्शकों को खूब हंसाया। देवराज जोशी, संजय पंचाक्षरी, कपिल यादव, शेख शेफ, जुनैद हिंदुस्तानी, माही जोशी और अन्य कलाकारों ने भी अपने किरदारों को बखूबी निभाया।

खेत में लगी आग, 60 एकड़ गेंहू की फसल जलकर खाक, किसान ने की मुआवजे की मांग

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा ब्लॉक के गांव उमरिया और बिल्हरा के खेतों में लगी आग ने गेहूं की खड़ी फसल खाक कर दी। अमरवाड़ा और चौरई ब्लॉक की सीमा पर स्थित इन दोनों गांवों की सीमाएं आपस में जुड़ी हुई हैं। आग बिल्हरा की ओर से लगी और उमरिया की तरफ बढ़ी। इससे करीब 60 एकड़ में लगी फसल जलकर खाक हो गई। इससे दोनों गांवों के करीब 11 किसानों को 25 लाख से अधिक का नुकसान होने का अनुमान जताया जा रहा है। अमरवाड़ा एसडीएम के मुताबिक सूचना मिलते ही दमकल के जरिए आग पर काबू पा लिया गया है। पटवारी को मौके पर भेजकर नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। आग से किसान जरासंध चंद्रवंशी, अनुभव सिंह परिहार, चैन सिंह पटेल, आकाश चंद्रवंशी, रामेश्वर दुबे, राज राजपूत, सर्वलाल चंद्रवंशी, बाबू पटेल, सनी पटेल, करण चंद्रवंशी सहित अन्य किसानों के खेतों में खड़ी फसल को भारी नुकसान हुआ है। उमरिया और बिल्हरा की अमरवाड़ा से दूरी 20 किमी है। सूचना के बावजूद फायर ब्रिगेड देरी से पहुंची। तब तक ग्रामीणों ने स्थानीय व्यवस्था बनाकर आग पर काबू पाने की कोशिश की। बाद में फायर ब्रिगेड के पहुंचने पर आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया जा सका। आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

कर्मचारियों ने दौड़कर 15 मिनट में बुझाई विध्यांचल की आग

कुर्सियों और प्लॉयवुड से भरे रखे थे 342 कार्टून

संवाददाता ● भोपाल

आग

राजधानी भोपाल में मध्यप्रदेश सरकार के तीसरे सबसे बड़े सरकारी दफ्तर विध्यांचल भवन में लगी आग से दहशत फैल गई। ये दहशत जून-23 और मार्च-24 में सतपुड़ा-वल्लभ भवन में आग लगने जैसी ही थी। कर्मचारी आग बुझाने दौड़े। गनीमत रही कि 10-15 मिनट में ही आग बुझा दी गई। आग की खबर बेसमेंट से लेकर छठी मंजिल तक आग की ही तरह फैल गई। बिल्डिंग के अंदर धुआं भरने लगा। तभी कर्मचारी यहां रखे 4 फायर एक्सटिंगिवीशर लेकर दौड़े। इधर, पुलिस-नगर निगम को भी सूचना दी गई। आग बेकाबू होती, उससे पहले ही वह काबू में आ गई।

ऑफिस में ठसाठस रखे थे 342 कार्टून

विध्यांचल भवन की दूसरी मंजिल पर विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ जनजाति विकास और पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के प्रदेश स्तर के दफ्तर हैं। यहां पर रिनोवेशन किया जा रहा है। इसके चलते फ्लोर के एक हिस्से में कुर्सियों (ऑफिस चेयर) से भरे कार्टून और बड़ी मात्रा में प्लायवुड की शीट्स-टुकड़े रखे थे। ये कार्टून और प्लायवुड इतनी अधिक मात्रा में था कि न सिर्फ फ्लोर बल्कि छत भी ठसाठस भर गई। जब कार्टून की गिनती की गई तो यह 10-20 नहीं बल्कि साढ़े 3 सौ से ज्यादा निकले। पुलिस फायर के एसआई बलजीत सिंह हुड्डा ने बताया, दूसरी मंजिल के दो हिस्से में कुर्सी व अन्य सामान से भरे कार्टून रखे थे। एक हिस्से में 180 और दूसरी में 80 कार्टून थे। छत पर 82 भरे हुए मिले। वहीं, 20 खाली रखे थे। इस तरह 342 भरे और 20 खाली कार्टून थे। आग फैलने पर बड़ा हादसा हो सकता था, पर आग पर समय रहते काबू में पा लिया। आग फ्लोर से छत से जाने वाले हिस्से में लगी थी। जैसे ही धुआं उठा, कर्मचारियों ने देखा और उसे बुझा दिया। बिल्डिंग की मरम्मत और देखभाल का जिम्मा संभाल रहे पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर कमल सिंह कीर ने बताया, धुआं देखते ही दौड़ें और फैलने से पहले ही आग बुझा दी।

अगले सप्ताह हो सकती है घोषणा, युवाओं को मौका

मप्र कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की कवायद तेज

संवाददाता ● भोपाल

बदलाव

मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार बदलाव कर रही है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी जमीन पर काम करने वाले युवाओं को मौका दे रहे हैं। जब से प्रदेश के नए प्रभारी हरीश चौधरी ने पद संभाला है इसमें और तेजी आ गई। हरीश चौधरी पटवारी के साथ लगातार प्रदेश का दौरा कर रहे हैं, और संगठन को मजबूत करने के लिए हर तरह के प्रयास कर रहे हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस के नए जिला अध्यक्षों और ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की कवायद तेज हो गई है। जिला अध्यक्षों के नामों को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग

सिंघार की प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के साथ चर्चा हो चुकी है। कांग्रेस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अगले सप्ताह तक जिला अध्यक्षों की लिस्ट जारी हो सकती है। कांग्रेस से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश प्रभारी और पीसीसी चीफ ने मिलकर युवा और ऊर्जावान नेताओं को ब्लॉक और जिले की कमान सौंपने की तैयारी की है। तय किया गया है कि ब्लॉक अध्यक्ष 45 और जिलाध्यक्ष 60 साल से ज्यादा उम्र के नहीं होंगे। जिला व ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर पटवारी और सिंघार ने अलग-अलग मप्र के अधिकतर जिलों का दौरा कर लिया है। जिला अध्यक्षों के नामों का पैनल तैयार कर लिया है। अब जिला अध्यक्षों के नामों का ऐलान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी करेगी। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी को पद संभाले एक साल से ज्यादा का समय बीत गया है लेकिन अभी तक पूरी तरह से उनकी टीम तैयार नहीं हुई है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मप्र कांग्रेस के संगठन का विस्तार नहीं होने से कांग्रेस हाईकमान नाखुश हैं। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह को हटाए जाने के पीछे इसे भी एक कारण माना जा रहा है।

फिल्मी स्टाइल में दफन भी कर दी लाश

खौफनाक कारनामा...12 वर्ष की लड़की ने 4 वर्ष के बच्चे को मार डाला

संवाददाता ● ग्वालियर

केस

4 साल का देवराज वंशकार... अचानक लापता हो गया। मजदूर मां-बाप ने उसकी तलाश की लेकिन नहीं मिला। मामला पुलिस तक पहुंचा और फिर खोज की गई, लेकिन देवराज का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने किडनैपिंग की आशंका से केस दर्ज कर लिया और तफ्तीश शुरू कर दी। इस बीच पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज मिली। उसमें मासूम देवराज पड़ोस की 12 साल की लड़की के साथ जाते दिखा। पुलिस ने उस नाबालिग लड़की से पूछा 'देवराज कहां है?' उसने बोला, 'वो उसे वापस घर छोड़ आई थी...' लेकिन, पुलिस ने जब सख्ती दिखाई तो मासूम दिखने वाली उस नाबालिग लड़की ने जो बताया उसे सुन पुलिस भी हैरान रह गई। 12 साल की वो लड़की मासूम नहीं बल्कि खूंखार कातिल निकली... रौंगटे खड़े कर देने वाली यह घटना मध्य प्रदेश के ग्वालियर की है।

पुलिस ने मासूम देवराज वंशकार का शव एक गड्ढे से बरामद किया है। कातिल लड़की ने उसे मारकर गड्ढे में डालकर उसे पत्थरों से दफना दिया था। आखिर उसने मासूम को क्यों मारा? इस सवाल का जवाब पुलिस आरोपी लड़की से पूछ रही है। उससे पूछताछ जारी है। आरोपी लड़की के पिता भी मजदूर हैं। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैली हुई है। हर कोई मासूम की हत्या से खौफजदां, तो कातिल लड़की की हरकत को सुन हैरान हैं।

मजदूरी करने गए मां-बाप, गायब मिला मासूम बेटा

घटना ग्वालियर के डीईओ ऑफिस के बराबर निर्माणाधीन हॉस्टल की है। यहां यूपी के ललितपुर निवासी राजकुमार वंशकार दो महीने पहले मजदूरी के लिए अपने परिवार के साथ आया था। वह सिरोल कॉस्मो आनंदा टाउनशिप में मजदूरी करने लगा। उसका परिवार, जिसमें पत्नी और चार बच्चे, वह सभी एक निर्माणाधीन हॉस्टल में रह रहे थे। मंगलवार को रोजाना की तरह राजकुमार और उसकी पत्नी मजदूरी करने चले गए। घर में चारों बच्चे रह गए। जब दोनों पति-पत्नी काम से वापस लौटे तो घर में उनका दूसरे नंबर का बेटा देवराज वंशकार गायब था। उसकी उम्र 4 साल थी। दोनों पति-पत्नी ने काफी तलाश किया लेकिन वह नहीं मिला।

उफ्फ! गला दबाया, पत्थर से कुचला और गड्ढे में दफनाया

पुलिस ने उस 12 साल की लड़की से देवराज के बारे में पूछा, इसपर लड़की ने बताया कि वह बेर तोड़ने के लिए उसे अपने साथ ले गई थी। बाद में उसने उसे वापस घर छोड़ दिया। पुलिस ने एक बार लड़की की बात को सच माना। इसी बीच मासूम देवराज की छोटी बहन बार-बार कहने लगी कि 'भैया को वो वापस नहीं लाई।' पुलिस ने उसके बाद लड़की से सख्ती से पूछा, जिसपर लड़की टूट गई और उसने सच कुबूला।

12 साल की लड़की के साथ जाते दिखा मासूम

जानकारी इलाके के सिरोल थाने पर पुलिस को दी। पहले पुलिस ने गुमशुदगी का मामला जान देवराज की तलाश की। लेकिन जब सफलता नहीं मिली तो उसके अपहरण की आशंका को देख किडनैप का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस मासूम देवराज की तलाशी में जुट गई। इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। इसी बीच एक फुटेज में देवराज एक नाबालिग लड़की के साथ जाते दिखा। जिस लड़की के साथ देवराज जाते दिखा वो उसके पड़ोस में रहने वाले एक मजदूर परिवार की बेटी है। यह लोग टीकमगढ़ के रहने वाले हैं और 2 महीने पहले ही वह भी यहां मजदूरी के लिए आए हुए हैं।

सवि ठाकुर ने किया खुलासा, बताया क्यों चुना 'रिश्तों से बंधी गौरी' में रुद्र का किरदार?

अभिनेता सवि ठाकुर सन नियो के नए शो 'रिश्तों से बंधी गौरी' में रुद्र की भूमिका में दर्शकों का दिल जीतने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं। हाल ही में उन्होंने इस किरदार की खासियत, इसे चुनने की वजह और रुद्र की दुनिया को परिभाषित करने वाले खास रिश्तों पर अपने विचार साझा किए। रुद्र के किरदार के बारे में बात करते हुए सवि ठाकुर ने कहा, 'रुद्र उन किरदारों में से एक है, जिसके बारे में जानते ही मैं उससे जुड़ाव महसूस करने लगा। वह आकर्षक, महत्वाकांक्षी और आत्मनिर्भर व्यक्ति है जो अपनी शर्तों पर जीना चाहता है और मैं इस भावना से खुद को जोड़ पाता हूँ। साथ ही, वह अपने परिवार के बहुत करीब है, जिससे उसकी स्वतंत्रता की चाह और जिम्मेदारियों के बीच का संघर्ष देखने लायक होगा। उसकी यात्रा कई उतार चढ़ाव से भरी हुई है और मैं इन सबको लेकर दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए उत्सुक हूँ।'

इसके अलावा, उन्होंने इस किरदार को चुनने के पीछे की वजह बताते हुए कहा, 'रुद्र की कहानी में भावनाओं का उतार-चढ़ाव ही वह पहलू था जिसने मुझे इस किरदार की ओर आकर्षित किया। उसके फैसले, उसकी उलझनें, यह सब उसके किरदार की सभी परतों को खोलता है। रुद्र का किरदार निभाना केवल अभिनय नहीं है, बल्कि उसके एहसासों, संघर्षों और रिश्तों को इस तरह जीवंत करना है कि वह वास्तविक लगे। कई मायनों में, उसकी यात्रा मेरी अपनी यात्रा की तरह महसूस होती है, जो इस भूमिका को मेरे लिए और भी खास बना देती है।' 'रिश्तों से बंधी गौरी' की कहानी एक नेकदिल और साहसी लड़की गौरी की है। उसकी भक्ति, आस्था और धैर्य ने हमेशा उसे सही राह दिखाई है। लेकिन जब किस्मत उसे एक अनचाहे विवाह में ढकेल देती है, तो वह चुनौतियों के जाल में फँस जाती है। बुंदेला परिवार की बहू बनने के बाद, वह बदलते रिश्तों और परिवार की जटिलताओं को अपनी बुद्धिमानी से सुलझाने की कोशिश करती है। लेकिन क्या वह अपनी तकदीर को खुद गढ़ पाएगी? एक शानदार कलाकारों की टीम के साथ, 'रिश्तों से बंधी गौरी' शो दर्शकों का दिल छूने में कोई कमी नहीं छोड़ रहा है। इस शो में ईशा पाठक, गौरी की भूमिका में, सवि ठाकुर, रुद्र प्रताप सिंह के रूप में और स्वाति शाह, जगदंबा देवी के रूप में नजर आ रहे हैं। देखिए 'रिश्तों से बंधी गौरी' हर सोमवार से रविवार, रात 8:30 बजे सिर्फ सन नियो पर।

विजय वर्मा से ब्रेकअप की अफवाहों के बीच दिखीं तमन्ना भाटिया

खुद को किया मोटिवेट

इन दिनों तमन्ना भाटिया अपनी फिल्मों से ज्यादा अपने ब्रेकअप की अफवाह को लेकर चर्चा में हैं। खबर है कि उनका और अभिनेता विजय वर्मा का ब्रेकअप हो चुका है। अब तक अभिनेत्री ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधी हुई है। लेकिन हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट में वह खुद को ही मोटिवेट करती नजर आईं। तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा काफी समय से डेट कर रहे थे, इनकी शादी करने की खबर भी बीच में सुनने को मिली। फिर अचानक इनके ब्रेकअप की अफवाह और खबरें सामने आने लगीं। अब तक इस मुद्दे पर अभिनेत्री ने खुलकर कुछ नहीं कहा है, लेकिन वह इशारों-इशारों में काफी कुछ कह रही हैं। इसके लिए सोशल मीडिया पोस्ट का भी सहारा लेती हैं। हाल ही में अभिनेत्री तमन्ना ने एक पोस्ट साझा की, इसमें वह काफी मोटिवेशनल बात करती दिखीं। एक अवॉर्ड फंक्शन में शामिल होने के लिए तमन्ना ने सफेद रंग की एक खूबसूरत ड्रेस पहनी। इस ड्रेस में अपनी कुछ तस्वीरें तमन्ना ने इंस्टाग्राम पर साझा कीं। इन फोटो के साथ अभिनेत्री ने संदेश लिखा- 'यह रंग मुझे याद दिलाता है कि आकाश की कोई सीमा नहीं है।' इस मैसेज के जरिए वह खुद को शायद मोटिवेट कर रही हैं। अपने ब्रेकअप की अफवाह के बीच ही तमन्ना ने होली का त्योहार भी मनाया, साथ ही अपने दोस्तों संग पार्टी भी की। पिछले दिनों होली पर भी तमन्ना भाटिया रवीना टंडन के घर पहुंचीं। इसके अलावा वह रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी के साथ पार्टी करती भी दिखीं। तमन्ना भाटिया इस साल कुछ फिल्मों में भी नजर आएंगी। जल्द ही उनकी एक फिल्म 'ओडेला 2' रिलीज होगी। इस फिल्म में उनका किरदार काफी चुनौतीपूर्ण बताया जा रहा है। इस फिल्म की अभी तक जो झलक सामने आई, उसमें तमन्ना का अभिनय दर्शकों को पसंद आया है। तमन्ना ने दक्षिण भारतीय फिल्मों में खूब काम किया है, साथ ही वह हिंदी फिल्मों में भी काफी काम कर चुकी हैं। 'स्त्री 2' में उन्होंने एक आइटम सॉन्ग भी किया था, जो काफी पॉपुलर हुआ। इस गाने के बारे में तमन्ना ने कहा था कि इसे करके उनके भीतर एक अलग तरह का आत्मविश्वास पैदा हुआ है।

बेबी जॉन एक्टर राजपाल यादव ने अपने फिल्मी सफर पर की बात

बोले- अगर एक्टर नहीं बनता तो चुनता ये प्रोफेशन

भूल भुलैया 3 का 'छोटा पंडित' अब जल्द ही पर्दे पर एक बार फिर से सबको हंसा-हंसाकर लोटपोट करने के लिए लौट रहे हैं। अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर राजपाल यादव कार्तिक आर्यन के बाद अब जल्द ही पर्दे पर वरुण धवन के साथ एक बार फिर से जुगलबंदी करते हुए दिखाई देंगे। वह एटली के प्रोडक्शन में बनी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'बेबी जॉन' में हवलदार की भूमिका में नजर आएंगे। जागरण फिल्म फेस्टिवल के मौके पर उन्होंने अपनी आगामी फिल्म और निजी जीवन से जुड़े कुछ अनुभव शेयर किए। शरीर में नौ रस हैं। आठों रस अगर किसी के फैन हैं तो वो हास्य के हैं। हास्य प्रेम पैदा करता है, ब्लड सर्कुलेशन ठीक करता है। सांस लेने का बाद अगर कोई रस सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, तो वह हास्य ही है। मेरी शुरुआत नुक्कड़ नाटक से रही है। अभिनय एक राह है। हर मोड़ पर बहुत अच्छे-अच्छे राहगीर मिले। कभी सलमान भाई के रूप में कभी शाह रुख भाई के रूप में, कभी बच्चन साहब के रूप में तो कभी अजय देवगन साहब के रूप में। सब राहगीरों के साथ बहुत कुछ सीखा क्योंकि अपने अंदर की राह को मैं बहुत प्यार करता हूं। उसके पीछे भी एक कारण ये था कि जंगल, जमीन, पर्यावरण, पहाड़ी के लिए भी कुछ करना चाहता था। नदियों के लिए काम करना चाहता था। मैंने इलेक्शन नहीं लड़ा था, बल्कि लोगों को लड़वाया था। पर 2020 में दादा पंडित देव प्रभाकर शास्त्री ने ब्रह्मलीन होने से पहले अभिनय पर फोकस करने का आदेश दे दिया। मैंने 1990 में निष्क्रिय भाव से राजनीति शुरू की थी क्योंकि अभिनय के बाद पसंदीदा सब्जेक्ट पॉलिटिक्स ही रहा है। अगर मैं अभिनेता नहीं होता तो पत्रकार या नेता होता, क्योंकि ये दोनों क्षेत्र भी अभिव्यक्ति वाले ही हैं।

राकेश रोशन को मिली थी सलाह, रेखा को फिल्म में मत लेना, सेट पर आती है लेट

राकेश रोशन ने अपने करियर में बतौर एक्टर और डायरेक्टर रेखा के साथ खूबसूरत, खून भरी मांग, आक्रमण, औरत जैसी फिल्मों में काम किया है। हालांकि एक समय ऐसा था, जब लोगों ने राकेश को सलाह दी थी कि रेखा को फिल्म में कास्ट न किया जाए क्योंकि वो सेट पर लेट आती हैं या भाग जाती हैं। हालांकि राकेश रोशन ने कहा कि उन्हें कभी उनके साथ काम करने में ऐसी कोई दिक्कत नहीं हुई। हाल ही में दिए इंटरव्यू में राकेश रोशन ने रेखा पर बात की। उन्होंने कहा, रेखा के पास वो क्वालिटी हैं, जो कम एक्ट्रेसेस के पास होती हैं। मैंने बतौर एक्टर उनके साथ 2-3 फिल्में की हैं। मैंने उनके साथ औरत की, आक्रमण की। जब मैं उनके पास खून भरी मांग में मां के रोल के लिए गया, तो लोगों ने मुझसे कहा था, तुम पिक्चर बना रहे हो, रेखा तो टाइम पर आती नहीं है भाग जाती है। मैं ये सुनता रहता हूं, लेकिन मैंने उनके साथ बतौर हीरो 3-4 पिक्चरें की हैं, मैंने तो कभी ऐसा नहीं देखा। आगे राकेश ने कहा, जब मैं रेखा के पास गया, मैंने उनसे कहा देखो भाई, ये मेरी दूसरी फिल्म है (बतौर डायरेक्टर), ये वुमन ओरिएंटेड फिल्म है। मैं रिस्क ले रहा हूं क्योंकि कहानी भी ऐसी है कि एंड मैं बीवी अपने हसबैंड को मारती है। मुझे आप तंग तो नहीं करेंगी। इसके जवाब में रेखा ने कहा, क्या गुड्डू जी (राकेश रोशन का निक नेम), ये क्या सवाल कर रहे हो। क्या मैंने कभी ऐसा किया है, लोग सिर्फ ऐसी बातें करते हैं। अगर वो लोग मुझे पैसे नहीं देते या अपने कमिटमेंट पूरे नहीं करते, तब मैं ये सब करती हूं। बातचीत में राकेश रोशन ने ये भी बताया है कि जब वो चाहते थे कि रेखा फिल्म कोई मिल गया में मां का रोल करें, तो उन्होंने चालाकी से उनसे बात की थी। उन्होंने रेखा को डायरेक्ट फिल्म ऑफर करने की बजाए उन्हें बस फिल्म की कहानी सुनाई थी और उनका ओपिनियन मांगा था। इस पर रेखा समझ गईं कि राकेश चाहते हैं कि फिल्म में वो काम करें।

डिप्रेशन से जूझ रहे हैं सिंगर अमाल मलिक

सिंगर अमाल मलिक ने हाल ही में क्लीनिकली डिप्रेशन में होने पर एक लंबी-चौड़ी पोस्ट शेयर की है। उनका कहना है कि उनसे सब कुछ छीन लिया गया। उन्होंने अपनी पोस्ट में दबे शब्दों में अपने परिवार को डिप्रेशन के लिए जिम्मेदार ठहराया है और साफ किया है कि वो अब से परिवार के साथ रिश्ते खत्म कर रहे हैं। सिंगर अमाल मलिक ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर डिप्रेशन पर खुलकर बात की है। उन्होंने लिखा है, 'मैं अब ऐसी स्टेज पर आ गया हूं, जहां मैं अपना दर्द नहीं छिपा सकता। सालों से मुझे ऐसा महसूस करवाया गया है कि मैं कमतर हूं, जबकि मैं लोगों को सेफ जिंदगी देने के लिए दिन रात मेहनत करता हूं। मैंने अपने हर सपने को तोड़ दिया और जाना की लोग मुझसे बुरा व्यवहार करते हैं और पूछते हैं कि मैंने क्या किया है।'

रानी मुखर्जी ने आर्थिक तंगी में चुनी एक्टिंग

हाइट और आवाज का उड़ाया मजाक

कभी अपनी कद-काठी तो कभी आवाज को लेकर आलोचकों के निशाने पर रहीं रानी मुखर्जी ने हिंदी सिनेमा में वह मुकाम हासिल किया है, जो किसी भी क्षेत्र में साधारण सी दिखने वाली लड़कियों के लिए प्रेरणा स्रोत है। फिल्मी परिवार में जन्म लेने के बाद भी रानी मुखर्जी के लिए यह सफर आसान नहीं था। आर्थिक तंगी की वजह से उन्होंने एक्टिंग की राह चुनी और एक के बाद एक फिल्मों में उनका कद लगातार बढ़ता चला गया। 21 मार्च 1978 को जन्मी रानी मुखर्जी आज अपना 47वां जन्मदिन मना रही हैं। रानी मुखर्जी एक्टिंग प्रोफेशन में आने से पहले वकील या इंटीरियर डिजाइनर बनना चाहती थीं, लेकिन घर की आर्थिक स्थिति खराब होने की वजह से एक्टिंग प्रोफेशन में आना पड़ा। इस बात का खुलासा खुद रानी ने एक इंटरव्यू के दौरान किया था। उन्होंने बताया था कि जब उन्हें पहली फिल्म 'राजा की आएगी बारात' का ऑफर मिला, तब उनकी मां ने उन्हें फिल्म करने का सुझाव दिया था। रानी मुखर्जी ने पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में कहा था- जब मैं बड़ी हो गई तो मुझे एक फिल्म का ऑफर मिला था और फिर मेरी मां ने बड़ी विनम्रता से मुझसे कहा कि एक बार एक्टिंग में हाथ आजमा के देखो, अगर सब कुछ ठीक नहीं रहता है तो तुम वापस अपनी पढ़ाई जारी रख सकती हो। शायद उस वक्त मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि मेरे परिवार को आर्थिक मदद की जरूरत थी। रानी मुखर्जी ने अपने पिता राम मुखर्जी के डायरेक्शन में बनी बंगाली फिल्म 'बियेर फूल' (1996) से एक्टिंग डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्म 'राजा की आएगी बारात' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में रानी, अमजद खान के बेटे शादाब खान के साथ नजर आई थीं। उन दिनों लोग रानी मुखर्जी की हाइट और आवाज को लेकर मजाक उड़ाया करते थे। रानी मुखर्जी ने अपनी कमजोरी को अपनी ताकत बनाया। उनकी अलग आवाज ही उनकी पहचान बन गई। डायरेक्टर विवेक शर्मा ने रानी मुखर्जी की फिल्म 'कुछ कुछ होता है' से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया। डायरेक्टर ने दैनिक भास्कर को बताया- 'कुछ कुछ होता है' में मैंने करण जौहर और यश अंकल से कहा कि रानी की ओरिजिनल आवाज में डब करेंगे। इस पर काफी बहस हुई। फिर मैंने रानी की आवाज डब करके उसे मिक्स किया, फिर यश अंकल और करण को सुनाया। सबको रानी की आवाज पसंद आई। इस फिल्म से रानी की आवाज उनकी पहचान बन गई।

मेलानी नाज़रेथ ने 'रिश्तों से बंधी गौरी' में उषा बुंदेला का किरदार निभाने पर कहा

उनके लिए यह उनके अधिकारों की लड़ाई है!

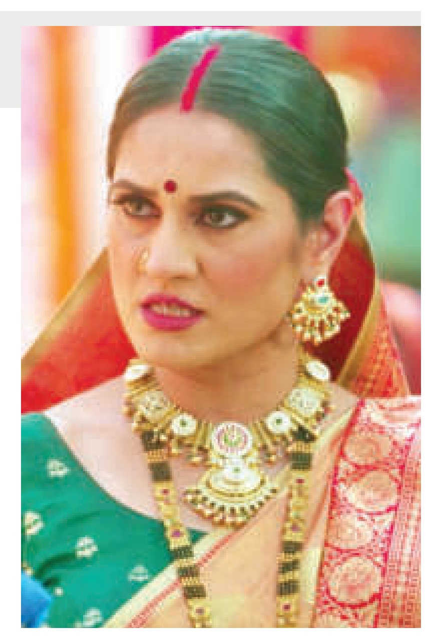

हर घर की अपनी ख़ामोश लड़ाइयाँ होती हैं और 'रिश्तों से बंधी गौरी' में उषा बुंदेला की कहानी ताकत, त्याग और सम्मान की लड़ाई की है। इस किरदार को निभाने वाली मेलानी नाज़रेथ ने उषा के भावनाओं की गहराई और उनके संघर्षों पर प्रकाश डाला। उषा सिर्फ़ एक माँ और पत्नी नहीं हैं, बल्कि एक ऐसी महिला हैं जो वह गरिमा पाना चाहती हैं, जिसकी वह हमेशा हक़दार थीं, लेकिन उन्हें कभी मिली नहीं।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए मेलानी ने कहा, 'मैं उषा बुंदेला का किरदार निभा रही हूँ, जो बुंदेला परिवार की सबसे बड़ी बहू हैं। वह एक समर्पित पत्नी हैं और अपने दोनों बच्चों से बहुत प्यार करती हैं। उनके लिए यह उनके अधिकारों की लड़ाई है। जब वह इस घर में बहू बनकर आई थीं, तो उन्होंने सोचा था कि उन्हें घर की चाबियों का गुच्छा (जो अधिकार और सम्मान का प्रतीक होता है) मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बल्कि, उन्हें हमेशा अन्याय सहना पड़ा, खासकर जगदंबा देवी की वजह से।' मेलानी आगे कहती हैं, 'एक बड़ी बहू होने के नाते, वह हमेशा सम्मान और प्रतिष्ठा की हक़दार थीं, लेकिन उन्हें कभी वह नहीं मिला। अब, वह बस अपने बच्चों से वह सम्मान चाहती हैं। वह चाहती हैं कि उनके बच्चे उनकी बातें सुनें, उनके शब्दों को महत्व दें और वैसे ही काम करें, जैसा वह चाहती हैं। आगे चलकर, मेरे किरदार में कई बदलाव देखने को मिलेंगे। उषा के कई अलग-अलग रूप हैं और उसकी यात्रा में कई रोमांचक मोड़ आएंगे। दर्शकों को यह सब धीरे-धीरे देखने को मिलेगा।' 'रिश्तों से बंधी गौरी' की कहानी गौरी की है, जो एक विनम्र और साहसी लड़की है, जिसकी आस्था उसे जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। लेकिन जब किस्मत उसे एक अनचाही शादी की ओर धकेल देती है, तो वह बुंदेला परिवार की बहू के रूप में कई चुनौतियों का सामना करती है। अपनी समझदारी और हिम्मत से वह अपने भाग्य को संवारने और पारिवारिक रिश्तों को संभालने की कोशिश करती है। इस भावनात्मक कहानी में इशा पाठक, सवी ठाकुर और स्वाति शाह मुख्य भूमिकाओं में हैं। 'रिश्तों से बंधी गौरी' हर सोमवार से रविवार, रात 8:30 बजे, सन नियो पर प्रसारित होता है।

दैनिक आदित्य भारत सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, शनिवार 22 मार्च 2025
www.adityabharat.com

न्यूज कॉलम

दो करोड़ की अवैध शराब पर चला बुलडोजर

राजनांदगांव। जिलेभर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में जब्त की गई करीब दो करोड़ की अवैध शराब पर राजनांदगांव पुलिस ने बुलडोजर चलाकर नष्ट किया. जिले के विभिन थानों से 10-12 वर्ष पुराने प्रकरणों में जब्त 40 हजार लीटर शराब को शहर के सीआईटी मैदान के पास नष्ट किया गया. इस दौरान एसपी मोहित गर्ग, कलेक्टर संजय अग्रवाल सहित सभी थानों के थाना प्रभारी मौजूद रहे. एसपी मोहित गर्ग ने कहा, अवैध शराब के खिलाफ जिले में कार्रवाई जारी है. 2012 के बाद से जब्त मदिरा का आज नष्टीकरण किया गया। राजनांदगांव में अवैध शराब के मामलों में विभिन्न थाना क्षेत्रों में जब्त शराब का मामला न्यायालय में चला और इसके बाद जब्त शराब को विनष्टिकरण करने के लिए अनुमति मांगी गई. अनुमति मिलने पर पुलिस विभाग ने बुलडोजर की मदद से इस शराब को नष्ट करने की कार्रवाई की. कड़ी सुरक्षा के बीच हजारों बोतलों में भरी शराब पर बुलडोजर चलाया गया.

पुलिस ने खोज निकाला नक्सलियों का गड़ा धन

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद मुक्त बनाने की राह में पुलिस ने आज एक और बड़ी सफलता हासिल की है. प्रदेश की गरियाबंद पुलिस ने नक्सलियों का छुपाया हुआ धन और हथियारों का जखीरा खोज निकाला है. एसपी निखिल रखचे के नेतृत्व में अब जंगलों में छुपे माओवादी और उनके धन, हथियार समेत सभी सोर्स का एक के बाद एक खात्मा हो रहा है. पुलिस ने आज मैनपुर थाना क्षेत्र से लगे पंडरी पानी से नक्सलियों का जमीन में छुपाया गया 8 लाख कैश और हथियारों समेत नक्सल साहित्य बरामद किया है. अब पुलिस नक्सलियों को कैश देने वाले सोर्स का भी पता लगाने में जुट गई है.गरियाबंद एसपी निखिल राखेचा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि मैनपुर थाना क्षेत्र से लगे पंडरी पानी के पहाड़ी इलाके में धमतरी गरियाबंद नुआपड़ा डिविजन कमेटी के द्वारा उगाही का रकम छिपा कर रखा गया था. इसकी जानकारी मिलने पर रढ के निर्देश पर जिला पुलिस, कोबरा बटालिया ,सीआरपीएफ की संयुक्त टीम बीडीएस की टीम के साथ सर्चिंग ऑपरेशन पर निकली।

थाना में खड़ी कार में लगी आग, कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

रायपुर। राजधानी रायपुर के खमतराई थाना परिसर में शुक्रवार को अचानक आग लग गई. मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया. वहीं शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है.आग ने कैम्पस के भीतर खड़ी एक कार को अपनी चपेट में ले लिया. इससे आसपास खड़ी अन्य वाहनों को भी मामूली नुकसान हुआ. पुलिसकर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका.

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा- वो अब उसकी दुहाई देते हैं

आपातकाल देश के इतिहास का काला अध्याय, जिन्होंने संविधान कुचला था

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 21 मार्च को भारत के लोकतंत्र के लिए ऐतिहासिक दिन बताया. उन्होंने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय है, और 21 मार्च 1977 वह दिन है जब देश ने तानाशाही के विरुद्ध जीत दर्ज की थी. उन्होंने कहा कि यह केवल एक राजनीतिक बदलाव नहीं था, बल्कि भारत के नागरिकों की आस्था, साहस और संघर्ष की विजय थी.मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 1975 में लगाए गए आपातकाल ने संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों को कुचल दिया था. न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका झ जिनके संतुलन पर हमारा लोकतंत्र टिका है झ उसे तोड़कर समस्त शक्ति एक परिवार के हाथों में केंद्रित कर दी गई थी. नागरिक अधिकारों का दमन, मीडिया पर सेंसरशिप, विरोध की आवाजों का दमन और रातों में की जाने वाली गिरफ्तारियां संविधान के चिथड़े उधेड़ते हुए उस भयावह कालखंड को उजागर करता है.

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मेरे बड़े पिताजी नरहरि साय को भी 19 महीने जेल में रखा गया था. वे लाखों लोकतंत्र सेनानियों में से एक थे जिन्होंने तानाशाही के विरुद्ध खड़े होकर भारत की आत्मा की रक्षा की. कई सेनानियों को तो बेड़ियों में जकड़ा गया, और उनके परिवारों को भी अमानवीय यातनाएं झेलनी पड़ीं. मुख्यमंत्री साय ने उस समय की राजसत्ता की क्रूरता को याद करते हुए कहा कि अखबारों पर ताले

लगे थे, कलाकारों की आवाज बंद कर दी गई थी. किशोर कुमार जैसे गायक तक को रेडियो पर बैन कर दिया गया क्योंकि उन्होंने इमरजेंसी का विरोध किया था. यह सब कुछ उस संविधान के नाम पर हो रहा था, जिसे बनाने में बाबा साहेब अंबेडकर का जीवन लगा था. मुख्यमंत्री ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि आज वही लोग संविधान की किताब हाथ में लेकर संविधान की दुहाई देते हैं, जिन्होंने कभी उसे रौंदने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी. जिन्होंने संविधान कुचला था, आजकल वही उसकी दुहाई देते हैं. 1975 में आपातकाल लगाकर पाप किया गया और उसकी पुनरावृत्ति तब हुई जब पिछली कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र सेनानियों की सम्मान राशि रोक दी झ यह उन सेनानियों के त्याग और संघर्ष का अपमान है. मुख्यमंत्री साय ने लोकतंत्र सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि यह दिन हमें याद दिलाता है कि भारत का लोकतंत्र किसी एक पार्टी या सत्ता की बपौती नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के साहस, बलिदान और संकल्प की देन है. हमें हमेशा सतर्क रहना होगा ताकि फिर कभी लोकतंत्र पर अंधकार का साया न पड़े. उन्होंने कहा कि 21 मार्च 1977 को इमरजेंसी का धब्बा हट गया, लेकिन इसे लगाने वाली मानसिकता अब भी जीवित है. उन्होंने कहा कि सौभाग्य से देश की जनता अब जागरूक है और ऐसे तानाशाही इरादों को पहचानना और हराना जानती है.

विधानसभा में विश्व वानिकी दिवस पर संगोष्ठी

सीएम साय ने कहा- ऑक्सीजोन की तरह पूरे देश को ऑक्सीजन प्रदान कर रहा है छत्तीसगढ़

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज विधानसभा के समिति कक्ष में आयोजित विश्व वानिकी दिवस संगोष्ठी में शामिल होकर प्रदेशवासियों को वन संरक्षण और संवर्धन का संदेश दिया. संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का ऑक्सिजोन बनकर पूरे भारत को ऑक्सीजन प्रदान कर रहा है. उन्होंने बताया कि प्रदेश का 44 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है, जो न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और आर्थिक विरासत का अभिन्न हिस्सा भी है.मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वर्ष 2025 का विश्व वानिकी दिवस ह्यफारेस्ट एंड फूडह्न थीम पर आधारित है, जो इस बात पर बल देता है कि वन केवल ऑक्सीजन ही नहीं, बल्कि पोषण, रोजगार और संस्कृति का भी स्रोत हैं. इसी अवसर पर मुख्यमंत्री ने वाइल्ड एडिबल प्लांट्स इन छत्तीसगढ़ स्टेट पुस्तक का विमोचन किया तथा पुदीना-मिंट फ्लेवर के बस्तर काजू प्रोडक्ट को लॉन्च भी किया.

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की 32 प्रतिशत आबादी जनजातीय भाई बहनों की है जो वनों के साथ गहराई से जुड़े हुए हैं. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार वनों में निवासरत जनजातीय भाई-बहनों को वनाधिकार पट्टे प्रदान कर रही है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और खेती की दिशा में आगे बढ़ें. उन्होंने बताया कि बस्तर की इमली, जशपुर का महुआ, चिरौंजी, हर्रा-बहेड़ा जैसे सैकड़ों लघु वनोत्पाद छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान हैं, जिनका वैल्यू एडिशन कर आदिवासी परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है.मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ की नैसर्गिक सुंदरता की सराहना करते हुए कहा कि यहां के जलप्रपात, वनवासी संस्कृति और समृद्ध जैव विविधता पूरे देश के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं. बस्तर का धूड़मारास अब विश्व पर्यटन मानचित्र पर स्थान बना चुका है. पर्यटन का विस्तार हमारी प्राथमिकता है. उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में लगभग चार करोड़ वृक्ष लगाए जा चुके हैं.

उन्होंने कहा कि नवा रायपुर में पीपल फॉर पीपल कार्यक्रम के अंतर्गत हर चौराहे पर पीपल का रोपण किया गया है, जो भविष्य में शुद्ध ऑक्सीजन का सशक्त स्रोत बनेंगे. पीपल का पेड़ वैज्ञानिक रूप से सबसे अधिक ऑक्सीजन देने वाला वृक्ष है, और यह पहल शहरी हरियाली की दिशा में एक प्रभावी कदम है. विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के वन विश्व के सबसे सुंदर वनों में गिने जाते हैं. साल और सागौन के वृक्ष यहां की प्राकृतिक शोभा हैं. साल के वनों में एक अनूठा सम्मोहन है और यह गर्व की बात है कि छत्तीसगढ़ में वन क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि जब तक जंगल हैं, तब तक जीवन है.

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदायों का पूरा जीवन वनों पर आधारित है. उनका जीवनस्तर ऊँचा उठाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है. उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, और इसका सबसे कारगर उपाय वन क्षेत्र का विस्तार है. उन्होंने कहा कि हमारे आदिवासी भाई-बहनों के पास प्रकृति का अनुभवजन्य ज्ञान है झ उसका समुचित उपयोग कर हम विकास और संरक्षण दोनों को संतुलित कर सकते हैं. इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विधायकगण धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, योगेश्वर राजू सिन्हा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. निवास राव तथा वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे.

भिलाई स्टील प्लांट से चोरी, प्रकरण दर्ज

संवाददाता ● भिलाई

प्रतीक चौहान. थाना भिलाई भट्टी क्षेत्र में आज एक बड़ी कार्रवाई की है. पुलिस ने बीएसपी के बोरिया आउट गेट पर एक व्यक्ति को अवैध रूप से स्क्रैप निकालने के आरोप में गिरफ्तार किया. आरोपी के पास से भारी मात्रा में स्क्रैप और बीएसपी कर्मचारी का रैप्लिका गेट पास बरामद हुआ।

जानकारी के अनुसार, थाना प्रभारी भिलाई भट्टी के निर्देश पर, सउनि/कार्य छुट्टन लाल मीना और प्रधान आरक्षक/जीडी अजीत कुमार तिर्की की टीम ने बोरिया गेट पर वाहन चेकिंग के दौरान एक सफेद रंग की हुण्डई कार रजिस्ट्रेशन संख्या उऋ07 ट 4863 को रोका. वाहन की तलाशी में, कार की पिछली सीट के नीचे एक गुप्त स्थान में लोहे के 29 नग हैमर (स्क्रैप) छिपाए गए थे.

कार चालक ने अपनी पहचान आकाश कुहीकर, पुत्र-स्व. ईश्वर कुहीकर (उम्र 31 वर्ष), निवासी अर्जुन नगर, अटल आवास, भिलाई के रूप में बताई. पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह लोहे के स्क्रैप को चोरी करने के इरादे से बीएसपी के आरएमपी-03 क्षेत्र से गाड़ी में छुपाकर बाहर ले जा रहा था. पुलिस ने आरोपी के पास से बीएसपी कर्मचारी का रैप्लिका गेट पास भी बरामद किया, जो सुरक्षा मानकों के अनुरूप था।

इसके अलावा, आरोपी द्वारा गाड़ी के जरिए संयंत्र से चोरी की योजना बनाई गई थी, लेकिन गेट पर चेकिंग के दौरान उसे पकड़ लिया गया. पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर आरोपी के खिलाफ धारा 303(2), 319(2), 336(2), 336(3), 340(2) इठर और 25,26 छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है.

आंगनबाड़ी सहायिकों की फर्जी भर्ती का मामला

जिला स्तरीय जांच समिति ने शुरू की जांच

गरियाबंद. आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती में फर्जी अंकसूची दिखाकर नियुक्ति मामले में अब जिला स्तरीय जांच समिति ने जांच शुरू कर दी है. मामले में सीडीपीओ (बाल विकास परियोजना अधिकारी) और बीईओ देवभोग में हुए 16 नियुक्ति में जमा किए गए अंक सूची और मूल्यांकन पंजी को जांच समिति के समक्ष रखेगी. देवभोग में जाली दस्तावेजों के आधार पर हुई नियुक्तियों की पहले हुई जांच अधूरी रह गई थी और कार्रवाई केवल छोटे स्तर के जिम्मेदारों पर हुई. असली दोषी अब भी कानूनी शिकंजे से बाहर हैं. हालांकि, कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने मामले की तह तक जाने के लिए जिला स्तरीय जांच समिति का गठन किया था. पंचायत चुनाव के कारण यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया था, लेकिन अब इसे फिर से मामले में गंभीरता से लिया जा रहा है.

जांच समिति का गठन और बैठकें

अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में बनी चार सदस्यीय जांच समिति में जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पांडेय, देवभोग एसडीएम तुलसी दास मरकाम, और जिला पंचायत अधिकारी अभिषेक पाठक को शामिल किया गया है. समिति की पहली बैठक 19 मार्च को हुई, जिसमें जांच के दिशा-निर्देश तय किए गए. मगंलवार यानी 20 मार्च, 2025 को सीडीपीओ और बीईओ को आदेश जारी किया गया कि वे सोमवार तक सभी भर्ती दस्तावेज जमा करें.

शिकायतकर्ता को भेजा गया था जेल

पूंजीपारा आंगनबाड़ी भर्ती में जाली अंक सूची का मामला सामने आने के बाद प्रधान पाठक और नियुक्त महिला अभ्यर्थी के खिलाफ देवभोग थाने में मामला दर्ज किया गया था. जनवरी में कोदोभाठा आंगनबाड़ी में भी 67 अंकों को 81 दिखाने का मामला उजागर हुआ. इसकी शिकायत करने वाली नीला यादव को ही विभाग ने आरोपी बनाकर जेल भेज दिया. कुम्हडई खुर्द भर्ती मामले में भी एक अभ्यर्थी पर पुलिस ने कार्रवाई की. इस दौरान जाली अंक सूची जारी करने वाले और इसे भर्ती प्रक्रिया में शामिल कराने वाले बड़े अधिकारी जांच से बाहर रहे.

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में हो रही बारिश, मौसम विभाग ने रायपुर समेत 12 जिलों में जारी किया अलर्ट

रायपुर. छत्तीसगढ़ में बंगाल की खाड़ी से नमी आ रही है, जिसके कारण मौसम ने करवट ली है. कई जिलों में बारिश होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है. मौसम विभाग ने रायपुर समेत कई इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है. वहीं कुछ स्थानों में अंधड़ चलने और वज्रवात के आसार है.

मौसम विभाग ने जानकारी दी कि 12 जिले- रायपुर, दुर्ग, महासमुंद, राजनांदगांव, बेमेतरा, बलौदाबाजार, जशपुर, कांकेर, बलरामपुर, कोरबा, सरगुजा और सूरजपुर के कुछ स्थानों में बारिश हो सकती है. इसके साथ ही तेज-आंधी, गरज-चमक के साथ ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है. साथ ही अलर्ट जोन जारी किए गए हैं. जशपुर में रेड अलर्ट, उत्तर छत्तीसगढ़ के ज़िलों में ऑरेंज अलर्ट और मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 3 घंटे में बालोद, बलौदाबाजार, बेमेतरा, दुर्ग, महासमुंद, रायपुर और राजनांदगांव में सतही हवा, गरज-चमक और बारिश के साथ आंधी चलने की संभावना है. यहां येलो अलर्ट जारी किया गया है. वहीं जशपुर में ओलावृष्टि, सतही हवा, गरज-चमक और बारिश के साथ भयंकर तूफान की संभावना जताई गई है, मौसम विभाग ने यहां रेड अलर्ट जारी किया है. कांकेर में अगले तीन दिनों में ओलावृष्टि, सतही हवा और बारिश के साथ भयंकर तूफान का रेड अलर्ट जारी हुआ है. इसके अलावा बलरामपुर, कोरबा, सरगुजा और सूरजपुर में अगले तीन घंटों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है.

बैरक में मिला गांजा-मोबाइल, तीन प्रहरी निलंबित

जेल में मौज कर रहा प्रधान आरक्षक की पत्नी-बेटी का हत्यारा कुलदीप

संवाददाता ● सरगुजा

सूरजपुर जिले में प्रधान आरक्षक की पत्नी और बेटी की हत्या का मुख्य आरोपी कुलदीप साहू अंबिकापुर जेल में अय्याशी के बीच सजा काट रहा है. कुख्यात आरोपी कुलदीप साहू और महादेव सट्?टा एप के आरोपी दीपक नेपाली के बैरक में मोबाइल और गांजा मिलने से जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया. कलेक्टर और एसपी ने आज सेंट्र्ल जेल अंबिकापुर की जांच की. वहीं जेल प्रशासन ने जेल में गांजा-मोबाइल मिलने के मामले में 3 प्रहरियों को निलंबित कर दिया है.

बता दें कि अंबिकापुर सेंट्र्ल जेल में बंद कुख्यात आरोपी कुलदीप साहू और महादेव सट्टा ऐप का आरोपी दीपक नेपाली के कैरक में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी. 17 मार्च को बैरक की जांच कराई गई तो मोबाइल और गांजा मिला था. इसकी जानकारी मिलने पर आज अंबिकापुर कलेक्टर विलास भोस्कर और एसपी योगेश पटेल सेंट्र्ल जेल पहुंचे और बैरक की जांच की. वहीं लापरवाही सामने आने पर

जेल प्रशासन ने 3 प्रहरी अरूण कश्यप, नरेंद्र वर्मा, भेपंद्र सिंह अयाम को निलंबित कर दिया है. मामले की जांच की जा रही है.बता दें कि सूरजपुर के चौपाटी में एक पुलिसकर्मी से आदतन अपराधी कुलदीप साहू ने बहस किया था. यह कहकर कि ह्यतुम्हारी पुलिस मेरा जीना हराम कर रखी है, जिस पर आरक्षक ने कहा ह्यमैं तो एक आरक्षक हूं, वरिष्ठ अधिकारी जो कर रहे होंगे, मुझे क्या पता तो उसने होटल में कढ़ाई में रखा खौलते हुआ तेल फेंक दिया, जिससे आरक्षक पूरी तरह से जल गया था. मामले की जानकारी के बाद कुलदीप के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की गई. इस दौरान अंधेरे में वह एक कार में बैठा हुआ था, इस दौरान उसने पैदल खोजबीन कर रहे पुलिस वालों पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया. इसी बीच शहर से बाहर महगंवा स्थित प्रधान आरक्षक तालिब शेख के किराए के मकान का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसा तभी तालिब शेख की पत्नी ने अपने पति को कॉल किया, लेकिन बात नहीं हो पाई. उसके बाद तालिब शेख ने भी अपनी पत्नी से कांटेक्ट करने की कोशिश की लेकिन बात नहीं हो पाई. इसके बाद प्रधान आरक्षक को अंदेशा हुआ और घर पहुंचा. जहां प्रधान आरक्षक शेख ने देखा कि घर में खून फैला हुआ था, बीवी और बच्ची घर पर नहीं थे. वहीं घर के बाहर चाकू मिला और काफी सरगर्मी से तलाश शुरू की गई तो पत्नी और बेटी की लाश शहर से करीब 5 किलोमीटर दूर मिली थी. इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी कुलदीप साहू समेत पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है.

आंधी-बारिश से गिरी दीवार, दो मजदूरों की मौत, 6 की हालत गंभीर

संवाददाता ● कटघोरा

छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदला हुआ है. कोरबा जिले में तेज आंधी और बारिश से दीवार गिरने से दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं. यह घटना कटघोरा के ग्राम लखनपुर बरभाटा स्थित न्यू वैष्णवी राईस मिल की है. हादसे के बाद घटना स्थल पर चीखपुकार मच गई है. मलबे में और मजदूरों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है.

घटना की सूचना मिलते ही कटघोरा पुलिस पहुंची मौके पर पहुंची. घायलों को डायल 112 की मदद से कटघोरा अस्पताल पहुंचाया गया. घटना स्थल पर रेस्क्यू कार्य जारी है. पुलिस गिरे हुए दीवार के मलबे में दबे हुए एक मजदूर के शव को निकालने में जुटी है. कटघोरा थाना प्रभारी धर्म नारायण तिवारी ने बताया कि घटना की सूचना पर मौके पर पुलिस की टीम पहुंची है. पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है.

आप के राष्ट्रीय संगठन महासचिव डॉ. संदीप पाठक को मिली छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी

रायपुर। आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रीय संगठन महासचिव डॉ. संदीप पाठक को छत्तीसगढ़ का प्रभारी नियुक्त किया है. संदीप पाठक जल्द ही छत्तीसगढ़ आकर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ बैठक कर पार्टी को मजबूत करने को लेकर दिशानिर्देश जारी करेंगे.आम आदमी पार्टी द्वारा शुक्रवार को पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक आयोजित हुई. ये बैठक पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई. इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं. पार्टी ने दिल्ली, पंजाब, गोवा, जम्मू कश्मीर और गुजरात के साथ छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी नेताओं को सौंपी।

आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ की जनता को एक मजबूत विकल्प देना चाहती है. हाल ही हुए निकाय और पंचायत में चुनाव में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए पार्टी ने छत्तीसगढ़ में संगठन को और मजबूत करने लिए संदीप पाठक को ये अहम जिम्मेदारी दी है.छत्तीसगढ़ के मुंगेली के बटहा गांव के रहने वाले संदीप पाठक ने 2023 में हुए छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भी सक्रिय भूमिका निभाई थी. इसके अलावा पंजाब में पार्टी को सत्ता तक पहुंचाने की बात हो या गुजरात में संगठन मजबूत करने की संदीप पाठक ने अहम भूमिका निभाई है. पार्टी ने छत्तीसगढ़ के अलावा दिल्ली, पंजाब, जम्मू कश्मीर, गोवा और गुजरात में भी कई बदलाव किए हैं. दिल्ली में सौरभ भारद्वाज ही आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं. मेहराज मलिक को जम्मू-कश्मीर में पार्टी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. इसके अलावा मनीष सिसोदिया को पंजाब, गोपाल राय को गुजरात और पंकज गुप्ता को गोवा का प्रभारी बनाया गया है.

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...

दक्षिण अफ्रीका में एब्सा केप एपिक माउंटेन बाइक रेस के चरण 4 के दौरान साइकिल चालक। इस वर्ष के आयोजन में 600 टीमें शामिल हैं, जो आठ दिनों में 600 किमी का मार्ग तय करेंगी, जिसमें 16,500 मीटर की चढ़ाई शामिल है।

शॉट न्यूज

पाक में फिर गोलीबारी, सात आतंकवादी ढेर

खैबर पख्तूनख्वा। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में गुरुवार को गोलीबारी के दौरान एक प्रतिबंधित संगठन से जुड़े कम से कम सात आतंकवादी के मारे जाने की खबर है। इसमें एक पाकिस्तानी सेना के कैप्टन की भी मौत हुई है। खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान दक्षिणी वजीरिस्तान की सीमा से लगे डेरा इस्माइल खान जिले के कर्री मलंग इलाके में चलाया गया। इस अभियान में तीन और सैनिक घायल हुए हैं। इससे पहले खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने कहा है कि प्रांतीय सरकार सुरक्षा बलों द्वारा किसी भी सैन्य अभियान की अनुमति नहीं देगी, क्योंकि जितने आतंकवादी यहां मारे जा रहे हैं, उतने ही अफगानिस्तान से आ रहे हैं।

सीबीआई ने इंद्राणी की बेटी को बनाया गवाह

मुंबई। सीबीआई ने गुरुवार को शीना बोरा हत्याकांड में गवाहों की अपनी दूसरी सूची यहां एक विशेष अदालत को सौंपी, जिसमें आरोपी इंद्राणी मुखर्जी की बेटी विधि मुखर्जी भी शामिल है। विधि, इंद्राणी की पहली शादी से हुई बेटी है। इंद्राणी की पहली शादी संजीव खन्ना से हुई है, जो इस मामले में आरोपी भी है। सीबीआई की इस लिस्ट में 125 लोगों का जिक्र है, जिन्हें एजेंसी ने गवाह के रूप में पूछताछ करने का प्रस्ताव रखा है। पिछले हफ्ते एजेंसी ने पहली लिस्ट कोर्ट को दी थी, जिसमें 69 गवाहों के नाम थे।इंद्राणी, उसके पूर्व पति खन्ना और ड्राइवर श्यामवर राय ने शीना बोरा की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। इन लोगों ने शव को जला दिया और रायगढ़ के एक जंगल में फेंक दिया था।

अनंतनाग में 75 लाख की संपत्ति जब्त

अनंतनाग। जम्मू और कश्मीर में नशीली दवाओं के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत, अनंतनाग पुलिस ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के प्रावधानों के तहत दो कुख्यात ड्रग पेडलरों की 75 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-एफ के तहत कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने तारिक अहमद लोन, पुत्र मोहम्मद मकबूल लोन, निवासी सतकिपोरा की एक कनाल भूमि के साथ सीमेंट-कंक्रीटेड प्लिंथ को जब्त कर लिया। संपत्ति, जिसका मूल्य लगभग 60 लाख रुपये है, को नशीली दवाओं की तस्करी के माध्यम से अवैध रूप से अर्जित किया गया बताया गया है।

बर्फ से ढके अटल टनल रोहतांग, सोलंगनाला, कोकसर और हामटा पास

हिमाचल में स्नोफॉल, मौसम सुहावना, पर्यटकों की लगी भीड़

एजेंसी ● शिमला

हिमाचल प्रदेश में फ्रेश स्नोफॉल के बाद पहाड़ों पर फिर से रौनक बढ़ी है। देश के मैदानी इलाकों से बढ़ी संख्या में टूरिस्ट कुल्लू और लाहौल स्पीति जिला के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पहुंच रहा है और बर्फ के बीच मौज मस्ती कर रहा है। कुल्लू और लाहौल स्पीति जिले में बीते सप्ताह ताजा हिमपात हुआ है। इससे सोलंग नाला, कोकसर, अटल टनल रोहतांग से साउथ, नॉर्थ पोर्टल और हामटा पास इत्यादि पर्यटन स्थलों पर इन दिनों टूरिस्ट का जमावड़ा लगा हुआ है। कोकसर, रोहतांग टनल और सोलंग नाला में अगले 15 से 20 दिन तक अच्छी बर्फ देखने को मिलेगी। देश के मैदानी इलाकों में गर्मी का प्रकोप बढ़ने लगा है। ऐसे में 20 मार्च को हिमाचल के पहाड़ भी गर्म होने लगते है। मगर इस बार मार्च के तीसरे सप्ताह में भी हिमाचल के अधिक ऊंचे पहाड़ों पर बर्फ गिरी है। इससे टूरिस्ट मार्च के तीसरे सप्ताह में भी पहाड़ों पर ठंड और बर्फ का आनंद उठा रहे है।

हिमपात

ये 4 सड़कें बंद

लाहौल स्पीति जिला में दारचा-शिंकुला सड़क (कारगिर की तरफ), दारचा-सरचू, कोकसर-मनाली वाया रोहतांग, कोकसर-लोसर (वाया कुंजम) सड़क अभी बंद पड़ी है। इनके अलावा प्रशासन सभी सड़कें बहाल करने के दावे कर रहा है।

आज ऊंचे क्षेत्रों में बर्फबारी

अच्छी बात यह है कि पहाड़ों पर इन दिनों मौसम सुहावना हो गया है। चंबा, किन्नौर और लाहौल स्पीति के अधिक ऊंचाई वाले कुछेक क्षेत्रों में आज हल्की बर्फबारी के आसार जरुर है। मगर कल से अगले चार दिन तक प्रदेशभर में धूप खिलेगी। ऊंचे क्षेत्रों में भी ठंड से राहत मिलेगी - वहीं प्रदेश के मैदानी और मध्यम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अगले पांच छह दिन तक मौसम पूरी तरह साफ रहेगा। इससे तापमान में उछाल आएगा और ऊंचे क्षेत्रों में भी लोगों को ठंड से राहत मिलेगी।

पुतिन बेफिजूल की मांगें करना बंद करें : जेलेंस्की

एजेंसी ● ओस्लो

यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने नॉर्वे से वीडियो कॉल के जरिए यूरोपीय यूनियन के नेताओं की एक समिट को संबोधित किया। जेलेंस्की ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन पर तंज करते हुए कहा कि उन्हें ऐसी फिजूल मांगें बंद कर देनी चाहिए जिससे युद्ध लंबा खिंच रहा है। उन्होंने कहा कि पुतिन पहले कुछ वादा करते हैं और फिर कुछ घंटे बाद ही उसका कोई मतलब नहीं रहता। दुनिया को उन पर दबाव बनाना चाहिए।

जेलेंस्की ने कहा- रूस के खिलाफ तब तक प्रतिबंध जारी रहने चाहिए जब तक वो यूक्रेन से कब्जाई जमीन से पीछे नहीं हटता और हमले से हुए नुकसान की भरपाई नहीं कर देता। क्रीमिया को लेकर कहा वो यूक्रेन का अभिन्न अंग जेलेंस्की ने एक सवाल से जवाब में क्रीमिया पर रूस के कंट्रोल को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

उन्होंने कहा कि क्रीमिया एक यूक्रेनी आईलैंड है। कल ट्रम्प के साथ बातचीत में मैंने कहा था कि क्रीमिया यूक्रेन का अभिन्न अंग है। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन को नाटो सदस्यता देने से इनकार करके रूस एक बड़ा तोहफा दिया है। बता दें कि रूस ने 2014 में क्रीमिया पर हमला करके उसे अपने कंट्रोल में ले लिया था। हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभी तक रूसी कंट्रोल को मान्यता नहीं मिली है।

सभी न्यूक्लियर प्लांट यूक्रेन के लेंस्की से पूछा कि क्या जोपोरीज्जिया न्यूक्लियर प्लांट का कंट्रोल अमेरिका को देने के बारे में कोई बातचीत चल रही है। इस पर उन्होंने कहा कि सभी न्यूक्लियर एनर्जी प्लांट यूक्रेनी लोगों के हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ बातचीत में इस प्लांट के कंट्रोल के बारे में सीधे तौर पर कोई चर्चा नहीं हुई। कल यानी बुधवार को जेलेंस्की और ट्रम्प के बीच 1 घंटे फोन पर बात हुई थी। बता दें पुतिन ने 2022 में जापोरिज्जिया को एक जनमत संग्रह के बाद रूस में शामिल कर लिया था, तब से यहां के न्यूक्लियर एनर्जी प्लांट की जिम्मेदारी रूस के पास है। जेलेंस्की ने कहा कि अगर जोपोरीज्जिया प्लांट यूक्रेन का नहीं है, तो यह किसी के लिए भी काम नहीं करेगा।

नेतन्याहू के करीबी पर वसूली का आरोप, बर्खास्त

एजेंसी ● गाजा

गाजा में बमबारी के बीच इजरायल सरकार ने देश की आंतरिक खुफिया एजेंसी शिन बेट के प्रमुख रोनन बार को उनके पद से हटा दिया। यह फैसला प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा 'विश्वास की कमी' का हवाला देते हुए लिया। उन्होंने आज सुबह आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा की। सरकार के एक बयान के अनुसार, कैबिनेट ने सर्वसम्मति से रोनन बार की बर्खास्तगी को मंजूरी दी है। उनका कार्यकाल उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति या 10 अप्रैल तक समाप्त हो जाएगा। इससे पहले रोनन ने नेतन्याहू के करीबियों पर कतर से पैसे लेने का आरोप लगाया था और खुद नेतन्याहू को अवैध पीएम करार दिया था। नेतन्याहू ने रविवार को घोषणा की थी कि वे रोनन बार को हटाने का इरादा रखते हैं, जिसमें उन्होंने 'लंबे समय से चली आ रही अविश्वास' की बात कही थी। यह कदम 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले के बाद उत्पन्न विवादों के बाद उठाया गया। ऐसा कहा जा रहा है कि इजरायल की आंतरिक रिपोर्ट में शिन बेट की नाकामियों का जिक्र किया गया है जिनमें हमास के हमले को रोकने में विफलता भी शामिल है। हालांकि, रोनन बार ने इस बर्खास्तगी को व्यक्तिगत कारणों से जोड़ा और दावा किया कि इसका असली मकसद नेतन्याहू के करीबी लोगों से जुड़ी संवेदनशील जांच को रोकना है।

8वीं क्लास के 70% स्टूडेंट ठीक से पढ़ नहीं पाते

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिया शिक्षा विभाग को बंद करने का आदेश

एजेंसी ● वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शिक्षा विभाग बंद करने से जुड़े आदेश (एग्जीक्यूटिव ऑर्डर) पर दस्तखत कर दिया। ट्रम्प ने दस्तखत करने के बाद कहा कि अमेरिका लंबे समय से छात्रों को अच्छी शिक्षा नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका किसी भी देश की तुलना में शिक्षा पर सबसे ज्यादा खर्च करता है, लेकिन सफलता की बात आती है तो देश लिस्ट में सबसे निचले स्थान पर है। शिक्षा विभाग सुधार में फेल रहा। अब यह हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा। हालांकि, आदेश में कहा गया कि दिव्यांग बच्चों के लिए ग्रांट और फंडिंग जैसे जरूरी प्रोग्राम जारी रहेंगे। ये प्रोग्राम अन्य एजेंसियों को सौंपे जाएंगे। ट्रम्प ने भाषण के दौरान अमेरिकी शिक्षकों की तारीफ की और कहा कि उनका ध्यान रखा जाएगा। ट्रम्प ने कहा कि शिक्षा विभाग कोई बैंक नहीं है। ऐसे काम कोई और जिम्मेदार संस्था करेगी। अब से इस पर शिक्षा विभाग का अधिकार नहीं होगा, बल्कि राज्यों और स्थानीय समुदायों को इसकी जिम्मेदारी मिलेगी। साल 2024 में शिक्षा विभाग का बजट 238 बिलियन डॉलर (20.05 लाख करोड़ रुपए) का था। यह देश के कुल बजट का करीब 2% है। विभाग के पास लगभग 4,400 कर्मचारी हैं। यह बाकी सारे विभागों की तुलना में सबसे कम है।

आदेश

फैसले को शिक्षा विभाग ने ऐतिहासिक बताया - ट्रम्प के आदेश पर साइन करने के बाद शिक्षा विभाग ने एक बयान जारी किया और इसे ऐतिहासिक बताया। विभाग ने कहा- हम कानून का पालन करेंगे। संसद और राज्यों के साथ मिलकर नौकरशाही को खत्म करेंगे। इस फैसले से अमेरिकी छात्रों की आने वाली पीढ़ियां मुक्त होंगी और वे बेहतर शिक्षा हासिल कर पाएंगे। वहीं, अमेरिकन काउंसिल ऑन एजुकेशन के अध्यक्ष टेड मिशेल ने ट्रम्प के इस कदम की निंदा की है। उन्होंने इसे एक 'राजनीतिक नाटक' करार दिया और कहा कि इस फैसले से फंडिंग में कमी आएगी जिससे विभाग में कर्मचारियों की संख्या में कटौती होगी। इससे देश में हायर एजुकेशन को नुकसान पहुंचेगा।

शिक्षा विभाग को बंद करना क्यों है मुश्किल?

एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रम्प के आदेश के बाद शिक्षा विभाग को बंद करना मुश्किल है। दरअसल, इसे बंद करने लिए अमेरिकी सीनेट (संसद का ऊपरी सदन) में 60 वोटों की जरुरत होगी, लेकिन यहां ट्रम्प की रिपब्लिकन के पास सिर्फ 53 सीटें हैं। ट्रम्प को 7 डेमोक्रेटिक सांसदों का वोट चाहिए जो कि राजनीतिक तौर पर असंभव काम है। पिछले साल भी शिक्षा विभाग को समाप्त करने की कोशिश हुई थी। इसे एक अन्य विधेयक में संशोधन के रुप में जोड़ा गया था, लेकिन यह पारित नहीं हो सका क्योंकि सदन में सभी डेमोक्रेट्स के साथ 60 रिपब्लिकनों ने भी इसके विरोध में वोटिंग की थी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)